mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-164 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

14 जून 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पाकिस्तानी...

संक्षिप्त समाचार

तीसरी बार एनएसए बनाए गए अजीत डोभाल

● पीएम के प्रधान सचिव बने रहेंगे पीके मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

अजीत डोभाल बने रहेंगे एनएसए – अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया गया है। अजीत डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था।

पीके मिश्रा बने रहेंगे प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव– उधर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजीत डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है।

येदियुरप्पा के खिलाफ पास्को केस में गैर-जमानती अरेस्ट वारंट

● पूर्व सीएम पर नाबालिग से यौन शोषण का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पास्को मामले में बेंगलुरु की एक अदालत ने गुरुवार 13 जून को गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

पूर्व सीएम के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला 2 फरवरी को बेंगलुरु का है। मामले में येदियुरप्पा ने कर्नाटक हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

पेमा खांडू तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने

● चाउना मीन फिर डिप्टी सीएम, 10 मंत्रियों ने भी शपथ ली

ईटानगर (एजेंसी)। पेमा खांडू गुरुवार 13 जून को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद चाउना मीन ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। उनके अलावा बियुराम वाघा, न्यातो दुकम, गणरील डेनवांग वांगसू, वानकी लोवांग, पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेशन सेंटर में हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा मौजूद रहे।

नीट के 1563 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा का प्रस्ताव

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- 23 जून को परीक्षा होगी, 30 जून तक रिजल्ट मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम में गड़बड़ियों को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से प्रस्ताव रखा गया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट के स्कोरकार्ड निरस्त होंगे। इसके बाद बिना ग्रेस मार्क्स के स्कोर कार्ड जारी किए जाएंगे।

एनटीए की कमेटी ने सुझाए हैं प्रस्ताव

याचिकाकर्ताओं ने नीट परीक्षा में 1563 कैंडिडेट्स को दिए गए ग्रेस मार्क्स पर आपत्ति जताई थी। एनटीए ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने 10, 11 और 12 जून को बैठक की।

● 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को नीट यूजी 2024 रिजल्ट को चुनौती देने वाली 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई।

इनमें 3 मांग की गई थीं...

● परीक्षा में शामिल 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स दिए गए जो गलत है। ● मौजूदा रिजल्ट के बेस पर हो रही काउंसलिंग को रोका जाए। ● नीट परीक्षा रद्द की जाए और एग्जाम दोबारा कराया जाए।

● **शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- पेपर लीक के कोई सबूत नहीं**– केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एनटीए पर भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके निर्णय का पालन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।

● **काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है सुप्रीम कोर्ट**– इससे पहले 11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था।

पीएम मोदी ने की जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा

● **सेना को दी खुली छूट, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया निर्देश** ● **पीएम ने की हाईलेवल मीटिंग की, शाह और अजीत डोभाल मौजूद थे**

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू में रियासी आतंकी हमले और कठुआ में सेना के साथ दहशतगर्दों की मुठभेड़ के बाद जम्मू-कश्मीर में हालात संवेदनशील बन गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। जबकि अन्यों की तलाश जारी है। इसे लेकर जम्मू संभाग में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया हुआ है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनएसए अजित डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर में स्थिति की समीक्षा की है। प्रधानमंत्री को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी स्थिति की पूरी जानकारी दी गई। उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों से अवगत भी कराया गया। वहीं, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से आतंकवाद विरोधी क्षमताओं का पूरा उपयोग करने के लिए कहा है।

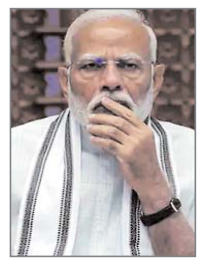

● **गृह मंत्री अमित शाह से की वार्ता**– मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षाबलों की तैनाती तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और जम्मू–कश्मीर में स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

● **नौ जून को हुआ था पहला हमला**– जम्मू–कश्मीर के रियासी में शिवखोड़ी से आ रही एक बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में नौ लोगों की जान चली गई। जबकि 41 श्रद्धालु घायल हो गए। इसके तीन दिन बाद 11 जून की शाम दहशतगर्दों ने कठुआ में दूसरे हमले को अंजाम दिया।

हिमाचल का दिल्ली को पानी देने से इनकार

एक दिन पहले हामी भरी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल संकट को लेकर गुरुवार (13 जून) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश ने कोर्ट से कहा कि उसके पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है। एक दिन पहले (12 जून को) हिमाचल ने कहा था कि उसकी तरफ से पानी छोड़ा गया है। हरियाणा की तरफ से पानी सप्लाई किया जाना बाकी है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना के पानी का बंटवारा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। हमारे पास दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच जल-बंटवारे के फॉर्मूले पर फैसला लेने की टेक्निकल एक्सपर्टीज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर बोर्ड ने पहले ही दिल्ली को मानवीय आधार पर पानी की आपूर्ति के लिए आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। अगर दिल्ली सरकार ने एप्लीकेशन नहीं दी है तो आज शाम 5 बजे तक दे दें। कोर्ट ने यमुना रिवर बोर्ड को शुक्रवार (14 जून) को एक बैठक बुलाकर दिल्ली सरकार के एप्लीकेशन पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अगर जरूरत हो तो रोज बैठक कीजिए।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यमुना जल बंटवारे का मुद्दा जटिल

महाराष्ट्र के नागपुर में कारखाने में हुए विस्फोट में 5 श्रमिकों की मौत

नागपुर (एजेंसी)। एक दुखद घटना में, गुरुवार को महाराष्ट्र के नागपुर शहर के पास एक विस्फोटक–निर्माण कारखाने में हुए विस्फोट में कम से कम पांच श्रमिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, इनमें से तीन को गंभीर चोटें आई हैं. यह घटना हिंगना थाना क्षेत्र के धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में हुई।

खुशखबरी आई है!

उ.प्र. में शिक्षकों की रुकी भर्ती आगे बढ़ेगी, जल्द मिलेगा चयन आयोग को नया अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में भर्तियों की गाड़ी को फिर से ट्रैक पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इस कड़ी में रुकी शिक्षक भर्तियों को भी आगे बढ़ाने पर नजर है। शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। माना जा रहा है कि जल्द ही आयोग को स्थायी अध्यक्ष मिल जाएगा। प्रदेश में बेसिक, माध्यमिक, प्राविधिक, उच्च शिक्षा, अल्पसंख्यक कॉलेजों सहित सभी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती को एक छतरी के नीचे लाने के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया है।

इस कवायद में पांच साल से भी अधिक समय निकल चुका है। 2019 में यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम पास किया गया था, लेकिन इसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई थी। बाद में इसमें नए बदलाव करते हुए पिछले साल नए ड्राफ्ट को मंजूरी दी गई और उसे सदन से पास कराया गया।

महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ रिश्ता खत्म कर सकती है भाजपा

आरएसएस भी जता चुका है नाराजगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संबंध तोड़ सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो बीजेपी आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ सकती है।

अजित पवार ने जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपा का बड़ा गुट अजित को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है।

एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में हार का कारण– यह बात तब सामने आई है जब आरएसएस के मुखपत्र में एक लेख में कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार का एक कारण था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतीं।

घोटालों से जुड़े होने के कारण अजित पवार के विरोधी हैं– एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ताओं को पवार विरोधी नारे पर तैयार किया जा रहा है। सिंचाई और महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटालों से जुड़े होने के कारण वे अजित पवार के विरोधी हैं।

एनसीपी ने भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया

रविवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल को नई सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री बनाने के भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

प्रचार को तैयार नहीं थे आरएसएस–भाजपा कार्यकर्ता – भाजपा नेता ने कहा, लोकसभा चुनावों में यह स्पष्ट था कि आरएसएस–भाजपा कार्यकर्ता एनसीपी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए तैयार नहीं थे और कई जगहों पर वे उदासीन बने रहे।

उत्तरी सिक्किम में बाढ़-भूस्खलन से फिर तबाही, 1 व्यक्ति की मौत, 5 लापता

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम के मंगन जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भारी भूस्खलन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के चलते सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं

और घर जलमग्न तथा क्षतिग्रस्त हो गए। भारी बारिश और भूस्खलन से बिजली के खंभे बह गए। मंगन जिले के पक्षेप क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव मिला, जबकि रंगरंग के निकट अम्बिथांग से तीन और पक्षेप से दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन के चलते गेयथांग में तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि पेंटोक के पास नामपाथांग में भी कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और सड़कें अवरुद्ध हो गई। भूस्खलन के कारण ब्रिंगबोंग पुलिस चौकी को निकटवर्ती स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि संकलान में एक पुल की नींव क्षतिग्रस्त हो गई।

यूपीआई पेमेंट पर देना होगा चार्ज ? सामने आई बड़ी जानकारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत में यूपीआई पेमेंट का इस्तेमाल तो हर कोई करता है। यही वजह है कि यूपीआई यूजर्स की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन अब इससे संबंधित बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल ये जानकारी ऐसे यूजर्स को थोड़ी चिंता में डाल सकती है जो यूपीआई पेमेंट के लिए क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं।

भारत की तरफ से रुपे पेमेंट नेटवर्क लाया गया था। यानी ये पूरी तरह भारतीय नेटवर्क था जिसने अमेरिका के वीसाऔर मास्टर कार्ड नेटवर्क को कड़ी टक्कर दी थी। अब बड़े बड़े बैंकों की तरफ से इसी नेटवर्क पर क्रेडिट कार्ड इशू किया जा रहा है। ज्यादातर यूजर्स इसी का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। यही वजह है कि इसका मार्केट शेयर आज 30 प्रतिशत तक हो गया है।

चार्ज लगेगा ?

मीडिया से बात करते हुए एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बड़ी पेमेंट के लिए लोग अब क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। अब क्योंकि 2 हजार से ज्यादा की पेमेंट करने पर एमडीआर चार्ज लगाया जाता है। अब क्योंकि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है तो चार्ज को भी बढ़ाया जा सकता है। यानी आपको छोटी पेमेंट पर भी चार्ज देना पड़ सकता है।

बैंक कर रहे प्लान

क्रेडिट कार्ड की मदद से यूपीआई पेमेंट को लेकर बैंक अभी भी प्लान बना रहे हैं। क्योंकि क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बैंक ऑफ बड़ौदा और एचडीएफ जैसे बैंक भी इस पर ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि रुपे क्रेडिट कार्ड पर फोकस किया जा रहा है। बहुत सारी ऐप्स भी हैं जो क्रेडिट कार्ड से यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा दे रही है। अब ऐसे में इसका इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

उच्च शिक्षा, राज्य शिक्षा केन्द्र के 9 शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों की बीएड की 677 सीट पर ई-प्रवेश प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शिक्षा केन्द्र के माध्यम से प्रदेश के 09 शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों की कुल 677 सीट पर सत्र 2024-25 के लिए बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी। इसके अनुसार प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आई.ए.एस.ई), भोपाल में 60 सीट, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आई.ए.एस.ई), जबलपुर में 107 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), देवास में 75 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), उज्जैन में 85 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), खंडवा में 75 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), रीवा में 75 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), छतरपुर में 75 सीट, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), ग्वालियर में 75 सीट और शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), जबलपुर में 50 सीट सहित कुल 677 सीट उपलब्ध हैं। इन महाविद्यालयों में प्रवेश राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार और उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया के अनुसार दिया जाएगा। ऐसे विद्यार्थी जो बी.एड. पाठ्यक्रमों के लिए पूर्व में पंजीयन कर चुके है, वह भी अपने पंजीयन क्रमांक के माध्यम से पुन: इन संस्थानों में आवेदन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थी पूर्व में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार पंजीयन कर प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे।

परिवहन और जल संवर्धन के निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सभी कलेक्टरों को तालाबों के गहरीकरण से प्राप्त कीचड़, गाद, मिट्टी के बिना रॉयल्टी भुगतान के परिवहन-जल संवर्धन के संबंध में निर्देश जारी किये हैं। खनिज संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव श्री निकुंज श्रीवास्तव ने निर्देश में कहा कि विभाग की अनुमति से तालाब, बाँध, नहर, स्टाप-डेम, जल निकाय से कीचड़, गाद, मिट्टी निकाली जाती है। ऐसी निकाली गई कीचड़, गाद, मिट्टी का उपयोग संबंधित शासकीय विभाग द्वारा स्वयं के विभागीय कार्यों में पूर्णत: उपयोग किया जाता है, तो ऐसी कीचड़, गाद, मिट्टी पर कोई रॉयल्टी देय नहीं होगी और ऐसी निकाली गई कीचड़, गाद, मिट्टी के परिवहन के लिये नियमों के अधीन कोई परिवहन अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित अथवा संधारित किसी तालाब, स्टॉप-डेम, जल निकाय से कीचड़, गाद, मिट्टी निकाली जाती है और उसका उपयोग ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं के विभागीय कार्यों में पूर्णत: किया जाता है, तो ऐसी स्थिति में कोई रॉयल्टी देय नहीं होगी और न ही परिवहन अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि संबंधित शासकीय विभाग या ग्राम पंचायत इसका विक्रय नहीं कर सकेंगे और न ही विक्रय करने की अनुमति किसी को देंगे। प्रमुख सचिव ने बताया कि जल-स्रोतों से निकाली गई कीचड़, गाद, मिट्टी की स्थानीय ग्रामीणों, ग्राम स्तरीय संगठनों, कृषकों को यदि गैर-व्यवसायिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, तो उनके आवेदन पर संबंधित विभाग एवं ग्राम पंचायत निःशुल्क कीचड़, गाद, मिट्टी की अनुमति दे सकेंगे और इसके परिवहन के लिये स्थानीय ग्रामीणों के ग्राम स्तरीय संगठनों, कृषकों को न कोई रॉयल्टी देय होगी और परिवहन अनुज्ञा की आवश्यकता नहीं होगी। प्रमुख सचिव ने निर्देश में यह स्पष्ट किया है कि ग्राम स्तरीय संगठनों अथवा कृषकों द्वारा कीचड़, गाद, मिट्टी का उपयोग संबंधित शासकीय विभाग अथवा ग्राम पंचायत से अनुमति प्राप्त कर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें भी किसी प्रकार की रॉयल्टी भुगतान अथवा परिवहन अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी।

सामूहिक प्रयास और श्रमदान से बदली नदियों-तालाबों की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता के साथ-साथ इन स्थानों पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जल संवर्धन पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन नदी एवं तालाबों के घाट पर किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संरचनाओं को व्यवस्थित करना, तालाबों, कुण्डों, बावडी के पानी का संरक्षण एवं घाटों की सफाई करना है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों में रंगोली, वॉल पेंटिंग, ऐतिहासिक महत्व की बावडियों का रंग-रोगन, बोरवेल के आस-पास वाटर हार्वेस्टिंग, विद्यार्थियों द्वारा निबंध लेखन, स्लोगन लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता तथा नाले-नालियों की साफ-सफाई के साथ ही उनके आस-पास के अतिक्रमण को हटाने का कार्य किया जा रहा है। गौरतलब है की 5 जून से 12 जून तक प्रदेश में लगभग एक लाख 80 हजार नागरिकों के श्रमदान से जल संरचनाओं के किनारे लगभग 36 हजार पेड़ लगाये गये।

अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां कर लें पूर्ण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण करली जाएं। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 33 वृहद परियोजनाओं, 115 मध्यम सिंचाई परियोजना और 5693 लघु सिंचाई परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले सभी जल स्रोतों की तुरंत आवश्यक मरम्मत और रखरखाव किया जाए। सभी स्तरों पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाए जाएं और संबंधित विभागों के समन्वय से आपदा प्रबंधन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए।

मंत्री श्री सिलावट आज जल संसाधन भवन में विभाग की राज्य स्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, विभाग के प्रमुख अभियंता, सभी कछारों के मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण यंत्री उपस्थित थे। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का

संकल्प है प्रदेश में अधिक से अधिक सिंचाई का रकबा बढ़ाना। इसके साथ ही इस प्रकार का प्रबंध किया जाना है कि कम से कम पानी में अधिक से अधिक क्षेत्र में सिंचाई हो सके। गत वर्षों में प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जलस्रोतों से अतिक्रमण हटाए जाना, उनका गहरीकरण और सौंदर्यकरण के कार्य किए जा रहे हैं।

इसे जन आंदोलन बनाया गया है। हर व्यक्ति को जल संवर्धन और संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जल संरचनाओं के आसपास वृक्षारोपण भी किया जा रहा है।

मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि जल स्रोतों की आवश्यक मरम्मत का कार्य आगामी एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाए। बरसात में आपदा प्रबंधन के कार्य की मॉनिटरिंग के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाई जाए, जो निरंतर इन कार्यों की समीक्षा करे और रिपोर्ट दे। प्रदेश की सभी वृहद परियोजनाओं के बांधों के सभी गेट्स का परीक्षण कर लिया जाए, जिससे समय पर वे सही तरीके से कार्य करें। विभिन्न बांधों से पानी छोड़ने से पूर्व सूचना देने की पुख्ता व्यवस्था कर ली जाए। मंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी चार माह में अनिवार्य कार्य के अलावा जन संसाधन विभाग में किसी को भी छुट्टी स्वीकृत न की जाए। बताया गया कि जिला स्तर, बेसिन स्तर और राज्य स्तर पर बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन कर लिया गया है, जो आगामी 15 जून से 15 अक्टूबर तक संचालित होंगे।

जनजातीय समुदाय को केन्द्र में रखकर करें कार्य-डॉ. कुंवर विजय शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने वल्लभ भवन में विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं, निर्माण, नियुक्तियों और नीति निर्धारण संबंधी विषयों पर विभाग के प्रजेंटेशन का अवलोकन किया। श्री शाह ने विभिन्न विषयों पर अपनी राय रखी एवं महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

चर्चा के विषयों की प्रगति के लिए उन्होंने समय-सीमा के निर्धारण पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हम विभाग में जो भी कार्य करें, जनजातीय समुदाय को केन्द्र में रखकर विचार करें। जनजातीय

वर्ग का जीवन बेहतर बनाना और शासकीय सुविधाओं व योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए सफल क्रियान्वयन करना ही हमारा मुख्य ध्येय होना चाहिए। उन्होंने विभागीय विद्यालयों में रिक्त शिक्षक पदों और छात्रावास अधीक्षकों की भर्ती संबंधी प्रक्रिया का रोड मैप तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार, अपर आयुक्त वंदना वैद्य, उप सचिव मीनाक्षी सिंह एवं अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बुधनी उपचुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा सांसद चुने गए हैं। शिवराज वर्तमान में सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीट से छठवीं बार के विधायक भी हैं। संसद सदस्य निर्वाचित होने के बाद अभी उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। शिवराज के इस्तीफे के पहले ही कांग्रेस ने बुधनी उपचुनाव की तैयारी शुरु कर दी है। पूर्व मंत्री जयवर्द्धन सिंह और पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल को बुधनी में प्रत्याशी चयन के लिए प्रभारी बनाया गया है।

मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान के सांसद निर्वाचित होने के चलते बुधनी विधानसभा की सीट रिक्त हो रही है, जहां निकट भविष्य में उपचुनाव होना नियत है। उपचुनाव की बूथ स्तर की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह एवं पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल को प्रभारी मनोनीत किया है। दोनों नेता जयवर्द्धन सिंह और शैलेन्द्र पटेल सीहोर जिले की बधुनी विधानसभा का दौरा कार्यक्रम बनाकर वहां के वरिष्ठ कांग्रेसजनों, जिले के स्थानीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से कांग्रेस पार्टी को विजयश्री दिलाने वाले संभावित प्रत्याशी का नाम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को भेजेंगे। हाल ही में 2023 के विधानसभा चुनाव में बुधनी सीट से टीवी सीरियल में हनुमान का रोल अदा करने वाले विक्रम मस्ताल शर्मा कांग्रेस से चुनाव लड़े थे। विक्रम मस्ताल को शिवराज सिंह चौहान ने एक लाख वोटों के बड़े अंतर से चुनाव हराया था। बुधनी उपचुनाव में कांग्रेस के दावेदारों में विक्रम मस्ताल शर्मा के अलावा प्रदेश प्रवक्ता आनंद जाट के नाम प्रमुख हैं।

हालांकि, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विधानसभा प्रभारी बनाए गए जयवर्द्धन सिंह और शैलेन्द्र पटेल स्थानीय कार्यकर्ताओं से चर्चा कर उम्मीदवार के नाम पार्टी को भेजेंगे। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश प्रताप शाह के बीजेपी में शामिल होने के चलते यहां उपचुनाव होना है। 10 जुलाई को अमरवाड़ा में मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी। कांग्रेस ने अमरवाड़ा सीट पर उममीदवार चयन के लिए पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे और सुनील जायसवाल को प्रभारी बनाया है।

बिजली चोरी एवं सतर्कता जांच में 52 करोड़ की बिलिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में बिजली चोरी की रोकथाम की दिशा में चालू वर्ष के अप्रैल-मई माह में कारगर कदम उठाए गए हैं। कंपनी द्वारा कार्यक्षेत्र में 21 हजार 850 परिसरों की जांच की गई तथा कनेक्शनों में अनियमितता पाए जाने पर 29 करोड़ की बिलिंग कर 15 करोड़ की राशि वसूल कर ली गई है। इसी प्रकार विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत सीधे बिजली चोरी के 12 हजार 324 प्रकरण पकड़े गए हैं जिनमें 23 करोड़ से अधिक की बिलिंग

कर 11 करोड़ की राशि वसूल की गई है। इस प्रकार कंपनी के जाँच दलों द्वारा 52 करोड़ से अधिक की बिलिंग की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सतर्कता विभाग ने अपने बिलिंग डाटा का विश्लेषण कर 5 हजार 379 बिजली चोरी वाले संदेहास्पद प्रकरण विजिलेंस टीम को सौंपे हैं। इनमें अनियमितता पाए जाने पर 50 लाख रुपए से अधिक की बिलिंग कर अब तक लगभग 6 लाख की वसूली कर ली गई है। बिजली चोरी पारितोषिक योजना के अंतर्गत कंपनी कार्यक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से 241 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें भिंड, मुरैना, बैतूल एवं ग्वालियर से सर्वाधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। अब तक इन शिकायतों पर कार्यवाही की जाकर 12 लाख रुपए के बिल जारी किये गये हैं। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत चोरी की प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए पारितोषिक योजना चलाई गई है।

योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल पर दे सकता है। हाल ही में कंपनी की वेबसाईट ऑनलाईन सूचना देने की व्यवस्था की गई है।

विशेष व्यक्तियों की स्मृति में लगाएं वृक्ष-मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण के कार्यों का सिलसिला लगातार जारी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल अभियान के अंतर्गत मानस यात्रा के आठवें दिन चार नदियों के उद्गम स्थल पहुँचे। उनकी यात्रा का पड़ाव सीहोर जिले स्थित सिद्धिकगंज में पार्वती नदी, से होते हुए देवास जिले स्थित बागली में खारी एवं काली सिंध नदी और इंदौर जिले में स्थित चंबल, चोरल, मोरल, नखेरी, कारम, अजनार एवं गंभीर नदियों के उद्गम स्थल पर पहुंचा। नदियों के उद्गम स्थल पर पहुँच कर मंत्री श्री पटेल ने पूजन, वृक्षारोपण, स्वच्छता और जनसंवाद भी किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा की जीवन में जो भी बहुमूल्य होता है, हम उसकी कीमत समझ नहीं पाते है। ये नदियाँ और इनके उद्गम बहुमूल्य होने के साथ जीवनदायी भी हैं। हमें भी इनके जीवन की रक्षा करनी होगी। प्रकृति ने जीवन यापन के लिए हर संभव उपाय दिये हैं। ये अजीब विडंबना है कि जिन प्राकृतिक संसाधनों को मनुष्य को पुष्पित और पल्लवित करना चाहिए उसने उन संसाधनों का दोहन कर उन्हें नष्ट किया है।हमें अपने जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों को जीवंत बनाना होगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदियां हमारे जीवन को उज्जवल और उन्नत करने में सहायक होती है। ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र हर व्यक्ति को विशेष अवसर पर अपने परिजनों एवं विशेष व्यक्तियों की याद में एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देख रेख भी नियमित रूप से करनी चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल स्रोतों के पास कौन से पौधे लगाये जायें, जो जल के स्रोत को प्रवाहमान बनाये रख सकें इसके लिए हमें उन पौधों की जानकारी भी हो।

मेडिकल कॉलेजों में दवाओं और उपकरण खरीदने में नहीं होगी देरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के 13 स्वशासी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में अचानक किसी उपकरण, दवा की आवश्यकता होने पर तत्काल खरीदी की जा सकेगी। साथ ही मरम्मत के लिए शासन से राशि मिलने की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। इसके तहत अलग-अलग काम के लिए डीन और अस्पताल अधीक्षकों के स्वशासी मद से खर्च के वित्तीय अधिकार कई गुना बढ़ाने की तैयारी है। डीन 25 लाख तो अस्पताल अधीक्षक 10 लाख रुपये तक के उपकरण खरीद सकेंगे। इसी प्रकार डीन 10 लाख तो अधीक्षक पांच लाख रुपये के उपकरण, प्लांट या मशीनों को सुधारने के लिए राशि स्वीकृत

कर सकेंगे। सफाई, दवा खरीदी, उपकरणों का वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के लिए डीन व अधीक्षक को क्रमशः पांच लाख और ढाई लाख रुपये के वित्तीय अधिकार मिलेंगे। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया है, जिस पर शासन से स्वीकृति मिलनी है। अभी यह अधिकार अलग-अलग कॉलेजों के लिए विभिन्न शीर्ष में अधिकतम 10 लाख रुपये तक का है।

मध्य प्रदेश के 14 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सतना छोड़ दें तो बाकी 13 स्वशासी हैं। मरीजों से शुल्क, विद्यार्थियों की शुल्क और अन्य मदों से आने वाली राशि स्वशासी समिति के खाते में जमा होती है। अचानक कोई आवश्यकता होने पर इस मद से राशि खर्च की जा सकती है, पर इसके लिए कार्यकारिणी से अनुमोदन लेना होता है। समिति का हर वर्ष बजट पारित होता है। उसमें स्वीकृत कार्यों के अतिरिक्त कार्यकारिणी की मंजूरी की आवश्यक होती है। अब बिना स्वीकृति भी निर्धारित सीमा में राशि खर्च की जा सकेगी। उदाहरण के तौर कई बार जांच किट खत्म होने से कुछ जांचें बंद हो जाती हैं तो कभी दवाओं की किल्लत हो जाती है। इनकी खरीदी होने में लगभग एक माह लग जाते हैं। अब ऐसी समस्याएं एक-दो दिन में हल हो जाएंगी।

कभी भी हो सकता है बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर तक बदले जाएंगे अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव निपटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक स्तर पर परिवर्तन की शुरुआत अपने कार्यालय से कर दी। अब जल्द ही मंत्रालय और मैदानी स्तर पर नए सिरे से प्रशासनिक जमावट होगी। इसमें छह माह के प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री प्रारंभिक चर्चा भी कर चुके हैं। कलेक्टरों और कमिश्नरों के साथ ही मंत्रालय में प्रमुख सचिव व अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारियों के भी तबादले होंगे। प्रदेश में अपनी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने मंत्रालय से लेकर जिलों में प्रशासनिक आधार पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और कमिश्नर बदले थे। अधिकारियों को काम करने के लिए फ्री-हैंड भी दिया। 3 माह आचार संहिता में निकल गए और काम थम गए थे। कुछ अधिकारियों की चुनाव के दौरान शिकायत भी सामने आईं। एक जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र प्रारंभ होगा और मानसून के दौरान मैदानी काम भी कम ही होंगे। इसे देखते हुए मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर पर नए सिरे से जमावट की तैयारी की जा रही है। इसमें उन कलेक्टरों को स्थानांतरित किया जाएगा, जिन्हें तीन वर्ष हो रहे हैं। पुलिस अधिकारियों को भी प्रदर्शन के आधार पर बदला जाएगा। पुलिए मुख्यालय ने इसके लिए अपने स्तर पर तैयारी भी प्रारंभ कर दी है और मुख्यमंत्री के संकेत मिलते ही प्रस्ताव गृह विभाग को भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय और सामान्य प्रशासन विभाग के स्तर पर भी तैयारियां की जा रही हैं।

मंत्रियों को अपने विभागीय तबादले करने के लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी। सरकार तबादला नीति घोषित कर तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। वैसे भी, प्रशासनिक आवश्यकता या शिकायत के आधार पर तबादले मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से अभी भी हो रहे हैं। हालांकि, इनकी संख्या बहुत कम है। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा सत्र के बाद तबादला नीति घोषित की जा सकती है।

राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर ने दिये निर्देश

अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध हो कठोर कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने राजस्व अधिकारियों को विभागीय मूल कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी अपने न्यायालयों में प्रकरणों की नियमित सुनवाई करें। लंबे समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता पर निराकृत करायें। अविवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों को निर्धारित समयावधि में निराकृत करायें। कलेक्टर ने कहा कि अविवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन आदि के संबंध में शिकायतें जिलास्तर तक नहीं आनी चाहिए, इनके निराकरण खंड स्तर पर ही सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने साइबर तहसीलों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा करेंगे। पटवारियों के हल्कावार हल्के में बैठने का दिन निर्धारित करें जिससे आमजन अपने कार्यों के लिए उस निर्धारित अवधि में भेंट कर सकेंगे। यदि कोई पटवारी निर्धारित दिवस पर बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहेगा तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने उक्त के संबंध में कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश: कलेक्टर ने अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कठोरता से कार्यवाही करें। इसी प्रकार लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों का निराकरण 15 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा करने तथा शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

भू-अर्जन की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश: रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन से जुड़े भू-अर्जन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि एक महीने में भू-अर्जन की समस्त कार्यवाहियां पूर्ण करायें। कलेक्टर ने कहा कि प्रभावित ग्रामों में कैम्प लगाकर लंबित कार्यवाहियां पूर्ण करें। यह सुनिश्चित करें कि भू-अर्जन के कारण रेलवे का कार्य प्रभावित नहीं हो।

इसके साथ ही उन्होने भू-अर्जन अधिकारियों, रेलवे अधिकारियों तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को सतत संपर्क में रहते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि रीवा से सीधी जिले की सीमा की ओर प्रारंभ से ग्रामवार कार्य योजना बनाकर उनका निराकरण करते हुए कार्यवाही करें।

इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना (धारणाधिकार), मुख्यमंत्री आवसीय भू-अधिकार योजना, स्वामित्व योजना आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी विभागीय कार्यों को प्राथमिकता दें तथा शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ से वंचित नहीं रहे। बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रशांत त्रिपाठी, मझौली आरपी त्रिपाठी, कुसमी एसपी मिश्रा सहित समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

समस्त नदियों व जलाशयों में मत्स्याखेट पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा

उल्लंघन पर कारावास और जुर्माने से किया जाएगा दण्डित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने अधिसूचना जारी कर जिले में 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक की अवधि में मत्स्याखेट पूर्णत: निषिद्ध किया है। म.प्र. शासन मछली पालन विभाग का ज्ञापन दिनांक 23.07.1987 के अनुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें विनिर्दिष्ट जल की परिभाषा के अतंर्गत नहीं लिया गया है, को छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में मत्स्याखेट पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु में मत्स्य के वंश वृद्धि (प्रजनन) दृष्टिकोण से उन्हें संरक्षण देने के लिए जिले के सभी प्रकार के जल संसाधनों में म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अन्तर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बन्द ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इस अवधि में सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णत: निषिद्ध रहता है। साथ ही मत्स्य विक्रय, मत्स्य विनियम एवं परिवहन करना भी प्रतिबंधित है एवं संज्ञेय दण्डनीय अपराध है।

इन नियमों के उलंघन पर म.प्र. राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या 05 हजार रूपये या दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है। इस अधिसूचना के माध्यम से जन साधारण को सूचित किया गया है कि इस अवधि में किसी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय एवं विक्रय अथवा मत्स्य परिवहन न तो स्वयं करें और न ही इस कार्य में किसी अन्य का सहयोग दें।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित

आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु शासकीय विद्यालयों में शिक्षण कार्य हेतु रिक्त पदों के विरूद्ध अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जानी है। उक्त परिपेक्ष्य में नवीन आवेदक जो अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक है ऐसे आवेदक जीएफएमएस पोर्टल पर नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

नवीन आवेदकों द्वारा पोर्टल पर पंजीकरण हेतु कार्यवाही: नवीन पंजीयन हेतु आवेदक लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। आधार ई-केवाईसी करें। शैक्षणिक एवं व्यवसायिक योग्यता की जानकारी दर्ज कर परीक्षण कर अपडेट करें। म.प्र. शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 या उसके उपरांत उत्तीर्ण की जानकारी दर्ज कर अपडेट करें। पंजीकरण में दर्ज समस्त योग्यताओं की मूल अंकसूची लेकर संकुल प्राचार्य से आवेदन को ऑनलाइन सत्यापन करायें। संकुल प्राचार्य द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन सत्यापन उपरांत स्कोर कार्ड जनरेट होगा।

पूर्व से पंजीकृत आवेदक द्वारा पोर्टल पर जानकारी अद्यतन की जानी है: पूर्व से पंजीकृत आवेदकों को पुन: पंजीयन करने की आवश्यकता नही है। नवीन शैक्षणिक एवं व्यवसायिक योग्यता दर्ज करने हेतु प्रोफाईल अनलॉक करें। नवीन शैक्षणिक एवं व्यवसायिक योग्यता की जानकारी अपडेटध्संशोधन करें। आवेदक द्वारा योग्यताओं के अपडेशनध्संशोधन करने के उपरांत संकुल प्राचार्य से ऑनलाइन सत्यापन कार्य करायें।

सीएम राइज में नोडल लाइट हाउस शाला प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीएम राइज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी में नोडल लाइट शाला प्रशिक्षण गुरूवार को प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें भोपाल से आए हुए फैसिलिटेटर अभिनव ठाकुर, नूरुल हसन एवं आलेख के द्वारा बेहतर ढंग से शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा रुचिपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के 45 शिक्षको ने भाग लिया। तथा प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं तरीको को अपनी अपनी कक्षाओ में लागू करने के प्रति उत्साह भी दिखाई दिया। विद्यालय के प्राचार्य सुभाषचंद पटेल एवं प्रधानाध्यापक राकेश शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण को बेहतर ढंग से संपन्न कराया गया एवं विश्वास व्यक्त किया गया की यह कार्यशाला इस संस्था के साथ ही जिले के अन्य विद्यालयों के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

जनरल द्विवेदी और एडमिरल त्रिपाठी ने विंध्य को देश में पहचान दिलाई : अजय सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह ने विंध्य के सपूत लेफ्टीनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को भारतीय सेना का नया सेना अध्यक्ष बनाये जाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि विंध्य के ही एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी पहले से ही नौसेना प्रमुख का पद भार संभाल चुके हैं। उन्होंने दोनो प्रमुखों को बधाई देते हुए उनके यशस्वी और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अजय सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि मुझे इस बात की बेहद प्रसन्नता है कि सर्वोच्च पदों पर पहुंच कर उन्होंने न केवल विंध्य बल्कि मध्यप्रदेश का नाम पूरे देश में ऊंचा किया है। मुझे उन पर गर्व है। यह भी एक सुखद संयोग है कि दोनों अफसर स्कूल के अभिन्न मित्र हैं और दोनों ने एक साथ रीवा के सैनिक स्कूल से पढाई की है। उल्लेखनीय है कि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी रीवा के गढ़ के समीप मुड़िला गांव के निवासी है। इसी तरह एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी सतना के रामपुर बघेलान स्थित मडुहर गाँव के रहने वाले हैं। अजय सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि सर्वोच्च पद पर नियुक्त दोनों अधिकारी अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली से नाम कमायेंगे और मध्यप्रदेश का गौरव बढायेंगे। नि:संदेह रक्षा विभाग उनके प्रयासों से नई ऊंचाईयों को छुयेगा।

सीएमएचओ ने लिखा पत्र, मिले आशा कार्यकर्ताओं को वेतन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में अधिकारी और कर्मचारियों की वजह से आशा कार्यकर्ताओं का वेतन अधर में लटक गया। जिसके चलते आशा कार्यकर्ता परेशान है और उन्होंने प्रशासन से न्याय की गुहार भी लगाई है। तब सीएमएचओ ने सभी बीएमओ को पत्र भी लिखा है और आशा कार्यकर्ता तथा पर्यवेक्षक की प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय सीमा पर किए जाने के निर्देश दिए हैं।

आपको बतादें की विगत दो माह से आशा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक को प्रोत्साहन राशि नहीं दी गई थी जिसकी वजह से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन बीएमओ खामोश थें। उन्हें वेतन दिलाने संबंधी कोई भी बात नहीं कर रहे थे, बल्कि उनका कहना था कि सभी को वेतन मिल भी चुका है। लेकिन इन बातों को पुष्टि करने के लिए जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई जे गुप्ता ने जिले के सभी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखा है और उन्होंने आशा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक का प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय पर दिलाने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि 31 मई 2024 को राज्य स्तर पर आशा कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। जहा बैठक में आशा कार्यकर्ता आशा परवेक्षक के वाउचर 20.21 के मध्य प्रतिमाह 25 तारीख तक में प्राप्त कर आशा पोर्टल में बीसीएम के द्वारा इंद्राज किया जाना होता है। जिसे दिनांक 28 से 30 के मध्य लेखापाल के द्वारा प्रोत्साहन राशि ई वित्त के माध्यम से भुगतान किया जाना होता है, जिसकी समीक्षा एवं निगरानी जिला एवं राज्य कार्यालय द्वारा की जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने पत्र माध्यम से निर्देशित किया है कि आशा कार्यकर्ता पर्यवेक्षक में को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय सीमा पर सुनिश्चित करें।

मड़वास पुलिस ने अपहृत बालिका को खोज कर सौंपी परिजनो को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गुम बालक बालिकाओं के खोज बीन हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी मझौली उनि दीपक बघेल के नेतृत्व में अपहृता बालिका को मड़वास पुलिस ने खोज कर परिजनों के चेहरे में खुशी लौटाई है।

मड़वास पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि फरियादी चौकी उपस्थित होकर रिपोर्ट किया की 25 मई 24 को मेरी लड़की करीवन 7 बजे सुबह घर से बिना बताये कहीं चली गयी जो अभी तक घर वापस नहीं आई है लगता है कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे नावालिक बालिका को बहला फुसलाकर ले गया है।

फरियादी की रिपोर्ट पर चौकी मड़वास में धारा 363 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में लिया जाकर अपहृता की पता तलाश प्रारम्भ की गई। जो दौरान विवेचना पता तलाश के दौरान 12 जून 24 को अपहृता बालिका को दस्तयाव कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में चौकी प्रभारी मड़वास उनि केदार परोहा, सउनि. संतोष साकेत, प्रआर खतकराज सिंह, आरक्षक अभिषेक का अहम योगदान रहा।

सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट जुलाई में

सीधी निप्र। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा दिनांक 25 मई से 20 जून 2023 तक परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च 2024 को घोषित किया गया है। सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों के द्वितीय चरण की परीक्षा जिसमें शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट होगा, जेल विभाग स्वयं लेगा। प्रथम चरण में चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू पुलिस स्टेडियम भोपाल में दिनांक 02 जुलाई से 07 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सहायक जेल अधीक्षक के 33 पद एवं जेल प्रहरी के 200 पदों हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा ₹ मशः 414 एवं 2264 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण हेतु पात्र पाया गया है जिनका द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट लिया जाना है। शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा जिन्हें जेल विभाग द्वारा प्रहरी के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

विधायक ने किया श्रमदान तथा अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील की

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान 5 जून से 16 जून तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना से तालाब, बावड़ी, स्टाप डैम जैसे जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। तालाबों के गहरीकरण और इनकी पाल को मजबूत करने का भी कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण और संवर्धन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में आमजनता का भी बढ़चढ़ कर सहयोग मिल रहा है। तालाब से आवांछित वनस्पतियां निकालकर उसके पाल को मिट्टी डालकर मजबूत किया जा रहा है। विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर आमजनता को जल संवर्धन की शपथ दिलाई जा रही है। इसी तरह के कार्य जिले की सभी ग्राम पंचायतों में किए जा रहे हैं। इन कार्यों से प्राचीन जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार होने के साथ-साथ जल संग्रहण के नए निर्माण कार्य भी संपन्न हो रहे हैं।

इसी क्रम में बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम के नेतृत्व में जनपद पंचायत मझौली के ग्राम चमराडोल में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपखण्ड अधिकारी मझौली आर पी त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एसएन द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सेवी संगठनो तथा ग्रामीणजनों द्वारा सहभागिता की गई। विधायक श्री टेकाम ने कहा कि यह जीवन बचाने का अभियान है। जल के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। जल जीवन की आधारभूत आवश्यकता है। जल मनुष्यों ही नहीं बल्कि पेड़ पौधों, पशु पक्षियों सभी के लिए आवश्यक है। विधायक ने कहा कि प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा पुण्य का काम दूसरा कोई नहीं है। धरती माता ने बरसों तक हमारी प्यास बुझाई है अब समय आ गया है कि हम धरती माता की प्यास बुझाने के लिए प्रयास करें। इस अभियान की सफलता के लिए उन्होंने इसे जन आंदोलन बनाने की अपील की है। इसी प्रकार गुरुवार को जनपद पंचायत सीधी के ग्राम पंचायत जमुनिहा कला में जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार की अगुवाई में श्रमदान, जल शपथ एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों, जनपद तथा जन अभियान परिषद के अधिकारियों तथा ग्रामीण जनों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

बिजली विभाग के दो अधिकारियों पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई

लाइन परिचारक संजय सेन निलंबित, कनिष्ठ अभियंता मनीष सिंह को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कार्यपालन अभियंता (स.च.10-स.च.10) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.क.लि सीधी ने आदेश जारी कर संजय सेन लाइन परिचारक वितरण केन्द्र सीधी ग्रामीण को पदीय दायित्वों के अनुरूप कार्य न करते हुए दिये गये निर्देशों की अवहेलना करने एवं सौंपे गये कार्यों में अत्यधिक लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने जैसे गंभीर कदाचरण अपनाये जाने के परिप्रेक्ष्य में विभागीय जांच लंबित रखते हुए उन्हे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबित अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय कनिष्ठ अभियंता वितरण केन्द्र बहरी के अधीनस्थ निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही कनिष्ठ अभियंता (संचा.-संधा.) उपसंभाग सीधी मनीष कुमार सिंह को पदीय दायित्वों को सफलता पूर्वक निर्वहन नहीं करने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। सात दिवस के अंदर संतुष्टिकारक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

उल्लेखनीय है कि सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा गत दिवस आयोजित बैठक में विद्युत विभाग के मैदानी अमले के द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के फोन का समय पर जवाब नहीं देने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई गई थी। सतत विद्युत आपूर्ति एक संवेदनशील विषय है इसे संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने घटना की जांच कर लापरवाह कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधियों के पत्रों एवं निर्देशों को पूरी गंभीरता से लें। जनहित से जुड़े मुद्दों पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए की गई कार्यवाही से संबंधित जनप्रतिनिधि को अवगत भी करायें।

सिंगरौली में वायु यान सेवा प्रारंभ

प्रत्येक गुरुवार को एयर क्राफ्ट रीवा-जबलपुर और भोपाल के लिए भरेगा उड़ान

सिंगरौली निप्र। बैढ़न के सिंगरौलिया हवाई पट्टी से गुरुवार दोपहर एयर क्राफ्ट पहली उड़ान रीवा, जबलपुर और भोपाल के लिए भरेगा।

सिंगरौली में हवाई पट्टी की मांग काफी लंबे अर्से से भाजपा के जनप्रतिनिधि मांग कर रहे थे। अब सिंगरौलिया में हवाई पट्टी बनकर तैयार हो चुकी है। इसका ट्रायल भी पूरा हो गया है। पिछले दिनों यूपी चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव सिंगरौलिया हवाई पट्टी पर पहुंचे थे। इस दौरान सिंगरौली रामनिवास शाह और देवसर विधायक राजेन्द्र मेश्राम ने सीएम को हवाई पट्टी के बारे में जानकारी दी थी। आचार संहिता समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री के ने सिंगरौलीवासियों के लिए एयर टैक्सी की शुरुआत की है।

विचार

एयर इंडिया की कायापलट योजना चिंताजनक

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार 'दो दिशाएं' राहू और केतु ऐसी अभिव्यक्तियां हैं जो एक परिवर्तनकारी अनुभव का अवसर प्रदान करती हैं यदि कोई अपने द्वारा आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को ज्ञान, संतुलन और आत्म-साक्षात्कार के साथ दूर करने में सक्षम हो। सभी संकेतों के अनुसार भारत की पूर्व राष्ट्रीय वाहक एयर इंडिया जो अब टाटा संस के स्वामित्व में है, एक गहन अवधि से गुजर रही है जहां दोनों चरण एक साथ घटित होते दिख रहे हैं, जिसके चारों ओर कई नकारात्मक प्रभाव हैं। पिछले पखवाड़े में एयर इंडिया की लम्बी दूरी की फ्लाइट में अत्यधिक देरी से जुड़ी 2 घटनाओं ने राष्ट्र का ध्यान आर्ज़षित किया, जबकि देश की आंखें और कान 2024 के लोकसभा चुनावों के एग्जिट पोल और नतीजों पर केन्द्रित थे। एक मामले में यात्रियों ने दावा किया कि उन्हें बेहोशी महसूस हुई क्योंकि विमान उड़ान भरने से पहले कई घंटों तक रनवे पर खड़ा रहा जबकि दिल्ली की भीषण गर्मी में एयर कंडीशनिंग खराब हो गई थी। दूसरे में तकनीकी देरी के कारण एक उड़ान में 9 घंटे की देरी हुई।जैसा कि उन्होंने निकट क्रम में किया, इन घटनाओं ने काफी दिलचस्पी पैदा की क्योंकि उद्योग में और इसके बाहर के कई लोगों ने इसे समझने में असमर्थता व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। एक से अधिक सरकारी अधिकारी, जिनमें से कई निजीकरण के खिलाफ थे, ने तर्क दिया कि यहां तक कि सरकार भी संचालन प्रक्रिया के लिए बेहतर कारगुजारी कर रही है और ऐसा प्रतीत होता है कि चीजें बद से बदतर हो गई हैं। टाटा संस ने सरकार की इस सिरदर्दी को अपनी इच्छा से दूर नहीं किया है और समूह अब इस समस्या से जूझ रहा है। क्या एयर इंडिया उस समूह के लिए एक प्रतिष्ठित संपत्ति थी, जिसके पास पहले से ही दो एयरलाइंस थीं, जिनसे वह जूझ रहा था। इनमें से एक 'एयरएशिया इंडिया' थी। कैंपबेल विल्सन संभवतः एक समझौतावादी उम्मीदवार हैं, जिसका सुझाव टर्किश एयरलाइंस की पहली पसंद के विफल होने के बाद नए मालिकों ने अंतिम समय में स्वीकार कर लिया। टेक ऑफ चरण से लडने के बाद हर कीमत पर संपूर्ण अभ्यास, विकास की तात्कालिकता की घबराहट महसूस की गई है। जिस क्षण से टाटा संस ने सत्ता संभाली देश को रातों-रात बदलाव की उम्मीद थी और जो लोग सत्ता में थे, वे खतरे में पड़ गए। इस हड़बड़ी का परिणाम वह अराजकता है जो हमने फैलाई है। आज संचालन और प्रशिक्षण मानकों में गिरावट, सभी का सबसे चिंताजनक पहलू है। इस हड़बड़ी का नतीजा है और साथ ही घटना पर जासूस जैसी नजर रखने की जरूरत भी वरिष्ठ प्रबंधन में महत्वपूर्ण पदों को भरने की प्रक्रिया में यह सुनिश्चित हो गया है कि अधिकांश शीर्ष पद टाटा के अंदरूनी सूत्रों द्वारा भरे गए हैं, जिनमें से किसी को भी पूर्व एयरलाइन का अनुभव नहीं है। हालांकि नए पदाधिकारी शानदार रिकॉर्ड वाले महान पेशेवर हो सकते हैं। लेकिन एयरलाइन एक मुश्किल व्यवसाय है। मुझे लगता है कि यहीं पर एयरलाइन को सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। यदि तत्काल भविष्य में नहीं, फिर लंबे समय तक भारत में केवल दो एयरलाइनें जिन्हें सफल कहा जा सकता है (जैट और इंडिगो) दोनों शुरू से ही मुख्य रूप से एयरलाइन पेशेवरों द्वारा संचालित और प्रबंधित की गई हैं। तीन अन्य पहलू चिंताजनक हैं। ऐसा लगता है कि प्रभारी टीम का बहुत अधिक ध्यान कॉस्मैटिक बदलावों पर है। सुरक्षा, ई वर्दी और रूप-रंग, बेहतर भोजन आदि पर बहुत ध्यान दिया गया है। संचालन, पायलटों की रोस्टरिंग, जमीनी संचालन में सुधार और प्रशिक्षण मानक और प्रक्रियाओं में सुधार पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। दूसरा- 'सर्वोत्तम के अलावा कुछ नहीं' के लक्ष्य की आड़ में पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है और जबकि भ्रष्टाचार के आरोप अप्रमाणित हो सकते हैं। इसी तरह के आरोपों ने पूर्ववर्ती राष्ट्रीय वाहक और निजी एयरलाइंस दोनों को लगभग पूरे इतिहास में परेशान किया है। मुझे बताया गया है कि निजी क्षेत्र में भ्रष्टाचार एयरलाइन उद्योग जीवंत, सक्रिय और समृद्ध है।

क्या आरएसएस और भाजपा के बीच व्याप्त मतभेदों का सिलसिला कभी थमेगा, या फिर यूं ही चलता रहेगा....

कमलेश पांडे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं। मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं! यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं। यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों? वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुईं। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब कुलीन मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज कुटिल मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी। कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया। वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं! जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत हो रहा है कि भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली। इसके अलावा, चुनाव अभियान में कमी के भी कई मुद्दे शामिल रहे। समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई। बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है। इसलिए भागवत ने नेताओं को अहंकार न पालने और काम करने की नसीहत भी दी थी। वहीं, उन्होंने परोक्ष रूप से विपक्ष के रवैये पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन कुछ बयानों को भाजपा से जोड़कर देखा गया। हालांकि, संघ का कहना है कि सामाजिक जीवन में काम कर रहे संघ की यह सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी राजनीतिक दल से जोड़ना उचित नहीं है। इसलिए सवाल तो यह भी पैदा हो रहा है कि भारतीय राजनीति में एक बार फिर से क्षेत्रीय दलों के मजबूत होने से संघ के समीकरण गड़बड़ा चुके हैं, जिसको वह अपनी तल्ख बयानबाजी से दुरुस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस से जुड़ी पत्रिका %ऑर्गनाइजर% ने दो टूक कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के अति आत्मविश्वासी कार्यकर्ताओं और कई नेताओं का सच से सामना कराने वाले हैं। वजह यह कि भाजपा नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभामंडल के आनंद में डूबे रह गए और उन्होंने आमजन की आवाज को अनदेखा कर दिया, जिसका परिणाम सामने है। अब तो संघ यहां तक स्वीकार कर चुका है कि आरएसएस भले ही भाजपा की जमीनी ताकत न हो, लेकिन पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनावी कार्य में सहयोग मांगने के लिए स्वयंसेवकों से संपर्क तक नहीं किया। इतना ही नहीं, चुनाव परिणामों में उन पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी स्पष्ट है, जिन्होंने बगैर किसी लालसा के काम किया। इनके स्थान पर इंटरनेट मीडिया तथा सेल्फी संस्कृति से सामने आए कार्यकर्ताओं को महत्व दिया गया। जिसका साइड इफ़ेक्ट अब जगजाहिर हो चुका है। आरएसएस के आजीवन सदस्य रतन शारदा ने तो यहां तक कह दिया है कि 2024 के आम चुनाव के परिणाम अति आत्मविश्वास से भरे भाजपा कार्यकर्ताओं और कई नेताओं के लिए सच्चाई का सामना कराने वाले हैं। क्योंकि उन्हें इस बात का एहसास तक नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 से अधिक सीटों का आह्वान उनके लिए एक लक्ष्य था और विपक्ष के लिए एक बड़ी चुनौती थी। यह बात दीगर है कि भाजपा लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ बहुमत से दूर रह गई। लेकिन उसके नेतृत्व वाले राजग को 293 सीटें मिली हैं और उसने केंद्र में सरकार बनाई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी जीत इंटरनेट मीडिया पर पोस्टर और सेल्फी साझा करने से नहीं, बल्कि मैदान पर कड़ी मेहनत से हासिल किए जाते हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के पीछे अनावश्यक राजनीति को भी कई कारणों में से एक बताया और उदाहरण दिया कि, %महाराष्ट्र अनावश्यक राजनीति और ऐसी जोड़तोड़ का एक प्रमुख उदाहरण है जिससे बचा जा सकता था। यहां अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट भाजपा में शामिल हो गया, जबकि भाजपा और विभाजित शिवसेना (शिंदे गुट) के पास स्पष्ट बहुमत था। शरद पवार दो तीन साल में फीके पड़ जाते, क्योंकि राकांपा अपने भाइयों के बीच अंदरूनी कलह से ही कमजोर हो जाती। सीधा सवाल है कि %आखिर यह गलत सलाह वाला कदम क्यों उठाया गया? क्योंकि इससे वो भाजपा समर्थक आहत थे, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, उन्हें सताया गया था।

अधिक ऋण के बोझ तले वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं चरमरा तो नहीं जाएगी

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के समस्त नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों पर लगभग 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण है। कुल ऋण की उक्त राशि में विभिन्न देशों की सरकारों के ऋण एवं नागरिकों के व्यक्तिगत ऋण भी शामिल है। कई देशों को मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण पाने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, विकास करने का दबाव विभिन्न देशों की सरकारों पर है अत: सरकारों के साथ साथ व्यक्ति भी बहुत अधिक मात्रा में ऋण ले रहे हैं। परंतु, कितना ऋण प्रत्येक व्यक्ति अथवा सरकार पर होना चाहिए, इस विषय पर भी अब गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 810 करोड़ है और विश्व पर कुल ऋण की राशि 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है इस प्रकार औसत रूप से विश्व के प्रत्येक नागरिक पर 39,000 अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया है। 320 लाख करोड़ रुपए के ऋण की राशि में विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण, व्यापार एवं उद्योग द्वारा लिया गया ऋण एवं व्यक्तियों द्वारा लिया गया ऋण शामिल है। पूरे विश्व में परिवारों/व्यक्तियों द्वारा 59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है। व्यापार एवं उद्योग द्वारा 164 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है। साथ ही, सरकारों द्वारा 97 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है, ऋण की इस राशि में एक तिहाई हिस्सा विकासशील देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण भी शामिल है। सरकारों द्वारा लिए गए ऋण की राशि पर प्रतिवर्ष 84,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ब्याज का भुगतान किया जाता है। विश्व में प्रत्येक 3 देशों में से 1 देश द्वारा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च की गई राशि से अधिक राशि ऋण पर ब्याज के रूप में खर्च की जाती है। आकार में छोटी अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक ऋण लेना सदैव ही बहुत जोखिमभरा निर्णय रहता आया है। पूरे विश्व में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 109 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जबकि ऋणराशि का आकार 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इस प्रकार, एक तरह से आय की तुलना में खर्च की जा रही राशि बहुत अधिक है। इसे संतुलित किया जाना अब अति आवश्यक हो गया है अन्यथा कुछ ही समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है। पूरे विश्व में लिए गए भारी भरकम राशि के ऋण के चलते अमीर वर्ग अधिक अमीर होता चला जा रहा है एवं गरीब वर्ग और अधिक गरीब होता चला जा रहा है, क्योंकि अमीर वर्ग ऋण का उपयोग अपने लाभ का लिए कर पा रहा है एवं इस ऋण राशि से अपनी सम्पत्ति में वृद्धि करने में सफल हो रहा है। जबकि, गरीब वर्ग इस ऋण की राशि का उपयोग अपनी देनंदिनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु करता है और ऋण के जाल में फंसता चला जाता है। इसके साथ ही, हालांकि विश्व में दो विश्व युद्ध हो चुके हैं, वर्तमान में भी रूस यूक्रेन युद्ध एवं इजराईल हमास युद्ध चल ही रहा है। परंतु, फिर भी इस सबका असर अमीर वर्ग पर नहीं के बराबर हो रहा है। हां, गरीब वर्ग जरूर और अधिक गरीब होता जा रहा हैं क्योंकि विश्व के कई देशों में, ब्याज दरों में लगातार की जा रही बढ़ौतरी के बाद भी, मुद्रा स्फीति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। मुद्रा स्फीति का सबसे अधिक बुरा प्रभाव गरीब वर्ग पर ही पड़ता है। अमीर वर्ग (जिनकी सम्पत्ति 2 करोड़ 28 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक है), इनकी संख्या वर्ष 2023 में 5.1 प्रतिशत से बढ़ गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 86.8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गई है और यह भी

5 प्रतिशत की दर से बढ़ गई है। वर्ष 2020 के बाद से विश्व के 5 सबसे अधिक अमीर व्यक्तियों की संपत्ति दुगुनी हो गई है। साथ ही, वर्ष 2020 के बाद से विश्व के बिलिनायर की सम्पत्ति 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ गई है। इन कारणों के चलते अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। जिस रफ्तार से विश्व में गरीबी कम हो रही है, इससे ध्यान में आता है कि इस धरा से गरीबी को हटाने में अभी 229 वर्ष का समय लगेगा। जैसे जैसे विश्व में विकास की दर तेज हो रही है अमीर व्यक्ति अधिक अमीर होते जा रहे हैं एवं गरीब व्यक्ति अधिक गरीब होते जा रहे हैं। आज से पहिले विश्व में कभी भी इतने अधिक अमीर नागरिक नहीं रहे हैं। वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित ऋण सम्बंधी भयावह आंकड़ों के बीच अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत की स्थिति नियंत्रण में नजर आती है। वैसे भी, ऋण का उपयोग यदि उत्पादक कार्यों के लिए किया जाता है एवं इससे यदि धन अर्जित किया जाता है तो बैंकों से ऋण लेना कोई बुरी बात नहीं है। बल्कि, इससे तो व्यापार को विस्तार देने में आसानी होती है और पूंजी की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, भारतीय नागरिक तो वैसे भी सनातन संस्कृति के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए अपने ऋण की किश्तों का भुगतान समय पर करते नजर आते हैं इससे भारतीय बैंकों की अनुत्पादक आस्तियों में कमी दृष्टिगोचर हो रही है। भारत के बैंकों की ऋण राशि में हो रही अतुलनीय वृद्धि के बावजूद, भारत में ऋण-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात अन्य विकसित देशों की तुलना में अभी भी बहुत कम है। हालांकि यह वर्ष 2020 में 88.53 प्रतिशत तक पहुंच गया था, क्योंकि पूरे विश्व में ही कोरोना महामारी के चलते आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई थी। परंतु, इसके बाद के वर्षों में भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है और यह वर्ष 2021 में 83.75 प्रतिशत एवं वर्ष 2022 में 81.02 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। साथ ही, भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के वर्ष 2028 में 80.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यदि अन्य देशों के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात की तुलना भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के साथ की जाय तो इसमें भारत की स्थिति बहुत सुदृढ़ दिखाई दे रही है। पूरे विश्व में सबसे अधिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात जापान में है और यह 255 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इसी प्रकार यह अनुपात सिंगापुर में 168 प्रतिशत है, इटली में 144 प्रतिशत, अमेरिका में 123 प्रतिशत, फ्रांस में 110 प्रतिशत, कनाडा में 106 प्रतिशत, ब्रिटेन में 104 प्रतिशत एवं चीन में भी भारी भरकम 250 प्रतिशत के स्तर के आसपास बताया जा रहा है। अर्थात, विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों में ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात 100 प्रतिशत के ऊपर ही है। भारत में इस अनुपात का 81 प्रतिशत के आसपास रहना संतोष का विषय माना जा सकता है। हाल ही के समय में भारत में विनिर्माण इकाइयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही में विनिर्माण इकाइयों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 76.3 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण उद्योग जगत को ऋण की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है। बढ़े हुए ऋण की आवश्यकता की पूर्ति भारतीय बैंकें आसानी से करने में सफल रही हैं।

सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

सड़क किनारे खड़े मिनी पिकअप वाहन में घुसी बाइक, दोनों नशे में थे धुत

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बुधवार की शाम मिनी पिकअप और बाइक की टक्कर से जीजा-साले की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, दोनों शराब नशे में धुत थे। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र के कासनिया मोड़ के पास का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान संतोष चौहान और मनीष चौहान के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में जीजा-साले थे। संतोष चौहान अपने ससुराल मलदा आया हुआ था। जिसके बाद अपने साले के साथ किसी काम से चाम्पा की ओर जा रहे थे।

बाइक सवारों ने पिकअप को साइड से मारी टक्कर: इसी दौरान उनकी बाइक ने खड़े इलेक्ट्रॉनिक वाहन छोटा पिकअप को साइड से जोरदार टक्कर मार दी।

जिससे दोनों लहूलुहान होकर सड़क पर ही गिर गए। सिर पर गंभीर चोट आने की वजह से दोनों की मौके पर मौत हो गई। जिससे घटना स्थल पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई।

आज हुआ दोनों का पोस्टमॉर्टम: हादसे की सूचना कटघोरा पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम घटना स्थल पर पहुंची। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजवा दिया। शाम होने के चलते आगे की कार्रवाई नहीं हुई। आज गुरुवार को पीएम किया गया।

कासनिया मोड़ पर आए दिन हो रहे हादसे: स्थानीय लोगों का कहना है कि, कासनिया मोड़ पर अक्सर हादसे होते रहते हैं। मुख्य मार्ग होने के कारण भारी वाहनों की भी आवाजाही काफी बढ़ गई है। भीड़ और रफ्तार की वजह से कई लोगों की जान जा चुकी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चिरमिरी में कोयले का अवैध उत्खनन जरों पर

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र में कोएले के अवैद्य उत्खनन की खबरें अक्सर ही सुनने को मिलती हैं, जहां एस ई सी एल प्रबंधन के कार्यशैली पर कोयला के इन अवैद्य कारोबारों को देखते हुए गंभीर सवाल खड़े होते हैं, जहां एक तरफएस ई सी एल चिरमिरी में खदानों के बंद होने से पलायन की स्थिति बन चुकी है, वहीं दूसरी तरफ अवैद्य कारोबारियों द्वारा नए पुराने सभी ठिकानों की खोज करते हुए कोएला उत्खनन बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

विशेष सुत्रों से जानकारी मिली कि डोमनहिल के मुक्तिधाम के ठीक सामने ही मुख्य मार्ग से लगे हुए जंगल के हड़ियाखोह अंदर से बड़े पैमाने में अवैद्य कारोबारियों द्वारा कोएला उत्खनन किया जा रहा है, 12 जून 2024 दिन बुधवार की देर रात कोएला उत्खनन कर बड़े ट्रक में कोएला लोड कर लें जाया गया, जिस खबर मिलते ही कुछ पत्रकारों द्वारा मौके का जायजा लेने के लिए अगले दिन 13 जून 2024 दिन गुरूवार को वहां पहुंच कर देखा गया, जहां करीब 150-200 बोरी कोयला इकट्ठा कर लें जाने के फ्राक में छुपा कर रखा गया था। जिसे देख कर तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को और एस ई सी एल प्रबंधन को इस पूरे मामले की जानकारी दी गई, जहां बिना देर किए, पुलिस प्रशासन और एस ई सी एल प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंच कर कार्यवाही को अंजाम दिया गया और धारा 102 के तहत इस मामले में कार्यवाही की गई और कोयले से भरे बोरों को जब्त किया गया। मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस पूरे मामले में संलिप्त कारोबारियों के पीछे कौन है, इसका पता पुलिस प्रशासन द्वारा जल्द ही लगाया जाएगा और सख्ती से जांच की जाएगी।

सरकारी नौकरी लगने के बाद पति-बेटे को छोड़ा

खुद को कुंवारी बताकर पत्नी ने ली अनुकंपा नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। उत्तरप्रदेश के बरेली की एसडीएम ज्योति मौर्य जैसा सरगुजा में भी मामला सामने आया है। सरकारी नौकरी लगने के बाद पत्नी अपने पति और बच्चे को छोड़कर मायके चली गई। वो अब वापस आने को तैयार नहीं है। पत्नी ने हलफनामा में खुद को कुंवारी बताकर मां की अनुकंपा नियुक्ति ली है। इसकी शिकायत के बाद मामला 10 महीने से पेंडिंग में है। जानकारी के मुताबिक, लखनपुर विकासखंड के ग्राम तराजू निवासी दीपक राजवाड़े की पत्नी सुलोचनी राजवाड़े को मां की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली है। दीपक राजवाड़े ने अपनी शिकायत में बताया कि सुलोचनी की मां समुद्री बाई जल संसाधन विभाग में चतुर्थ श्रेणी की कर्मचारी थी।

षड्यंत्र कर अनुकंपा नियुक्ति लेने का आरोप: दीपक राजवाड़े ने शिकायत में बताया है कि, सास समुद्री बाई के 7 बच्चे थे। 24 अगस्त 2018 को मौत के बाद सुलोचनी ने सभी भाई-बहनों की सहमति ले ली। खुद को अविवाहित बताकर हलफनामा पेश कर अनुकंपा नियुक्ति ले ली। जबकि वो शादीशुदा है और दो साल का बेटा है।

नौकरी लगी तो पति और बच्चे को छोड़ा: दीपक राजवाड़े ने बताया कि, सुलोचनी ने नौकरी लगने के बाद उसे और बच्चे को भी छोड़ दिया। सुलोचनी की अनुकंपा नियुक्ति सूरजपुर में है। पत्नी ने वापस आने से मना कर दिया। इसकी शिकायत सरगुजा संभाग आयुक्त, कलेक्टर सूरजपुर और कार्यपालन अभियंता जल संसाधन में की गई है। हालांकि शिकायत अब तक पेंडिंग है।

सामाजिक बैठक भी हुई, लेकिन नहीं लौटी: सुलोचनी राजवाड़े की सास कला बाई ने बताया कि, सुलोचनी के नहीं लौटने पर सामाजिक बैठक भी कराई गई, लेकिन वो ससुराल वापस आने को तैयार नहीं है। बच्चे का पालन पोषण वे कर रहे हैं। लेकिन पालन-पोषण में परेशानी हो रही है।

ईई बोले- जांच की जांच जारी: जल संसाधन के कार्यपालन अभियंता चंद्रभान ध्रुव ने कहा कि, मामले की शिकायत मिली है। अनुकंपा नियुक्ति मुख्य अभियंता कार्यालय अंबिकापुर में की जाती है। सुलोचनी को नोटिस जारी किया गया था, उसने जो जवाब दिया है, उसे कलेक्टर सूरजपुर, मुख्य अभियंता और जल संसाधन अंबिकापुर को भेज दिया गया है। अब अंतिम फैसला मुख्य अभियंता कार्यालय अंबिकापुर में ही होगा।

13 दिन से पति की तलाश में भटक रही पत्नी

दोस्तों ने कहा- इतवारी रेलवे स्टेशन से गायब हुआ फिर नहीं मिला

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई में एक महिला पिछले 13 दिनों से अपने पति की तलाश में भटक रही है। उसका पति हरीश ठाकुर (38 साल) शिक्षा विभाग दुर्ग में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। वह अपने दोस्तों के साथ नागपुर के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में उन्हें बिना बताए कहीं चला गया। उसके बाद से उसका फोन भी बंद आ रहा है। छावनी पुलिस युवक की तलाश में जुटी है। छावनी पुलिस के मुताबिक धनेश्वरी ठाकुर नाम की महिला ने थाने में अपने पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि वो भिलाई कैंप एक जागृति चौक में रहती है। उसके पति हरीश ठाकुर शिक्षा विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्य करते हैं। उनके ससुर भारत लाल ठाकुर और परिवार के सभी लोग उनके साथ रहते हैं।

धनेश्वरी ने बताया कि 1 जून को उनका पति हरीश रोज की तरह ऑफिस जाने के लिए निकला था। उसके बाद वो रात तक घर नहीं लौटा। रात में पिता ने उसे फोन लगाया तो उसने बताया कि मैं अस्पताल में हूं लेकिन उसने यह जानकारी नहीं दी कि वह किस अस्पताल में है। 2 जून की सुबह फिर धनेश्वरी ने हरीश को काफी फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके कुछ देर बाद हरीश के दोस्त द्वारा फोन आया। फोन में हरीश बोल रहा था। उसने बताया कि वो नागपुर आया है और मेट्रो में घूम रहा है। हरीश ने बताया कि उसके साथ उसने दोस्त भी हैं। परिजनों ने बताया कि वो अपने पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ नागपुर रवाना हुआ था। 2 जून की रात से हरीश का फोन बंद आने लगा। साथ ही अगले दिन हरीश ठाकुर के साथ नागपुर गया उसका दोस्त भी वापस भिलाई आ गया। परिजनों ने जब पूछा की हरीश कहां है तो उन्होंने कहा कि वो इतवारी रेलवे स्टेशन में सोया था। इसी दौरान हरीश कहीं गायब हो गया था। उसे काफी खोजने की कोशिश की गई पर वह नहीं मिला।

छावनी पुलिस कर रही जांच: इस पूरे मामले में परिजनों ने छावनी थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई है। 13 दिनों से अपने बेटे को खोजने वाले पिता ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। पत्नी ने भी थाना प्रभारी से कहा है कि वो उसके पति का पता लगाएं। इसके बाद छावनी पुलिस ने टीम गठित कर हरीश की तलाश शुरू कर दी है। उसके फोन नंबर को भी ट्रैस किया जा रहा है, लेकिन अभी तक उसका कहीं कुछ पता नहीं चल पाया है।

बैगा आवासीय विद्यालय नौढ़िया में 26 तक प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए संरक्षण सह विकास योजना (केंद्रीय क्षेत्रीय योजना) अंतर्गत संचालित बैगा आवासीय विद्यालय नौढ़िया विकास खण्ड भरतपुर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 1 ली (10 बालक एवं 10 बालिका) एवं 6 वीं (10 बालक एवं 10 बालिका) में प्रवेश दिया जाना है। अत: जिन विशेष पिछड़ी जनजाति (बैगा) विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2022-25 में बैगा आवासीय विद्यालय नौढ़िया, विकास खण्ड भरतपुर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कक्षा 1 ली एवं 6 वीं में प्रवेश लेना है वे विद्यार्थी के पालक 26 जून 2024 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन कार्यालय मण्डल संयोजक विकास खण्ड भरतपुर, जिला कोरिया से प्राप्त कर उक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय में जमा कर सकते है।

आवेदन पत्र का प्रारूप जिला कोरिया की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते है। उक्त अवधि के पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। बैगा आवासीय विद्यालय नौढ़िया में पौष्टिक भोजन, नाश्ता, शाला गणवेश, टीशर्ट एवं शाट्स, ब्लेजर, पी.टी.शू/जूता, मोजा, अंडरवियर, बनियान, टावेल, टाई एवं बेल्ट तथा टूथब्रश, टूथपेस्ट, तेल, पाठ्य पुस्तक, कॉपियां, चिकित्सा सुविधा, पुस्तकालय, खेल आदि की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध है।

वार्षिक आय में वृद्धि हेतु किया गया अभिसरण कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन एवं परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय के निर्देशन में बिहान जिला मिशन प्रबंधन इकाई द्वारा जिला स्तरीय अभिसरण हेतु कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर कार्यालय सभागार में किया गया। लखपति दीदी योजना के तहत महिला समूह सदस्यों को अंतर्विभागीय हितग्राही मूलक योजनाओं से संतृप्त करने हेतु अभिसरण कार्यशाला में कृषि सखी, पशु सखी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, जनपद स्तर के डीईओ, एडीओ, पीआरपी, उपसंचालक पशुधन विकास, उप संचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यानिकी, सहायक संचालक मत्स्य, श्रम पदाधिकारी, मनरेगा एवं सृजन संस्था के स्टेट हेड के द्वारा विस्तृत जानकारी कार्यशाला में दी गई ।

एक दिवसीय कार्यशाला में अभिसरण संसाधन व्यक्ति के रूप में कैडर तैयार करने हेतु विभागीय योजनाओं की चर्चा की गई एवं समूह से चिन्हांकित सदस्यों को कम से कम दो विभागो से अभिसरण करवाना सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए, ताकि उनकी वार्षिक आय में वृद्धि हो सके। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सिमेन्द्र कुमार ने बताया कि विभागीय योजना की जानकारी, अधिकारी कर्मचारी के अलावा जमीनी स्तर तक ग्रामीणों तक पहुँचे इस हेतु अभिसरण हेतु कार्यशाला का आयोजन पंचायत जनप्रतिनिधियों एवं बिहान अमला के साथ कलेक्टर के आदेश से किया गया।

16 साल की छात्रा से रेप, युवक गिरफ्तार

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती, ब्रेकअप करने पर थाने में की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 16 साल की लड़की से दोस्ती कर रेप करने का मामला सामने आया है। युवक ने इंस्टाग्राम के जरिए पहले दोस्ती की, फिर शादी का वादा कर दुष्कर्म किया। पीड़ित छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, स्कूली छात्रा से करीब दो साल पहले ग्राम लोहर्सी निवासी विश्वराज साहू (18) की इंस्टाग्राम से उसकी जान-पहचान हुई थी। जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से बात करने लगे। इस दौरान युवक ने प्यार का इजहार किया और उसके साथ शादी करने का वादा भी किया।

दोस्त के घर बुलाकर किया रेप: छात्रा ने पुलिस को बताया कि, 24 फरवरी 2022 को विश्वराज ने मिलने के लिए बुलाया। फिर अपने दोस्त के घर ग्राम मनवा लेकर गया। वहां भी उसने लड़की के साथ शादी करने का झांसा दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

अब ब्रेकअप करने पर की शिकायत: इधर, छात्रा ने पुलिस से शिकायत कर कहा कि, उसके साथ शादी करने का वादा करने के बाद विश्वराज ने उससे संबंध तोड़ दिया है। न तो वह बात करता है और न ही शादी के लिए राजी है। जिसके कारण उसका भविष्य अधर में है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी विश्वराज के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपी युवक भी है स्टूडेंट: पुलिस की पूछताछ और जांच में पता चला है कि आरोपी विश्वराज भी स्टूडेंट है। जब छात्रा से दोस्ती हुई, तब ग्यारहवीं क्लास में था। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को प्यार करने लगे थे। यह भी कहा जा रहा है कि आरोपी युवक के घरवालों ने इस रिश्ते का विरोध किया। जिसके चलते उसने छात्रा से मिलना-जुलना बंद कर दिया।

नालियों के ऊपर बने अवैध कब्जे हटाए गए

व्यापारियों ने जमकर किया हंगामा, निगम ने चेतावनी के बाद लिया एक्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में नाली के ऊपर गुमटी रखकर अवैध कब्जा जमा लिया गया था। जिसे हटाने को लेकर निगम की टीम के साथ जमकर विवाद हो गया। चेतावनी के बाद अब निगम अमला एक्शन मोड में आ गया है। अवैध कब्जाधारियों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को टीम ने नाले के ऊपर रखे गुमटियों को हटाकर जब्त कर लिया।

दरअसल, शहर के कई इलाकों में छोटे-बड़े कारोबारियों ने निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। जिसके चलते आवागमन बाधित होता है। ऐसे ही सड़क किनारे बनी नालियों पर भी गुमटी रखकर दुकान बना लिया गया है। कुदुदंड चांदनी चौक के पास भी नाली के ऊपर गुमटी रखकर अवैध कब्जा जमा लिया गया था।

आवागमन होता है बाधित: सड़क किनारे और नालियों के ऊपर गुमटी रखकर दुकान संचालित करने की वजह से आवागमन बाधित होता है। जाम की स्थिति बन जाती है। इसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए कई बार इसकी शिकायत भी की जा चुकी है। साथ ही गुमटी हटाने की मांग की जा रही थी।

गुमटी हटाने पहुंची टीम, तो युवक ने किया हंगामा: नगर निगम ने ऐसे कारोबारियों को पहले से ही चेतावनी दे रखा है। उन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है।

बुधवार को अतिक्रमण टीम गुमटी हटाने के लिए पहुंची, तो कब्जाधारियों ने विरोध शुरू कर दिया। महिला सहित युवक ने विरोध करते हुए जमकर हंगामा करने लगे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून-सत्र 22 जुलाई से

स्पीकर बोले- डबल इंजन मॉडल में तेज होगा काम, नई असेंबली का फर्स्ट लुक भी जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। ये 31 जुलाई तक चलेगा। अफसर इसकी तैयारी में जुट गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने गुरुवार को मीडिया से जानकारी साझा की है। डॉ. सिंह ने कहा कि, विधानसभा सत्र को लेकर प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समय निर्धारित किया है। संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव भेजा था। अब इसी समय तक विधानसभा का सत्र बुलाया जाएगा।

प्रदेश का होगा विकास: छत्तीसगढ़ सरकार के काम-काज को लेकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार डबल इंजन मॉडल के साथ काम करेगी। तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने हैं। अब तेजी से विकास होगा, यह देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ की प्रगति में तेजी आएगी।

नए विधानसभा भवन को लेकर बैठक: दरअसल, विधानसभा के नए भवन निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए रायपुर में मुख्यमंत्री आवास पर बैठक हुई। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधायक और अधिकारी-कर्मचारियों शामिल हुए।

245 करोड़ से ज्यादा का है प्रोजेक्ट: छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा बिल्डिंग का प्रोजेक्ट 245 करोड़ 16 लाख से अधिक का है। 52 हजार 497 वर्ग मीटर में बनने वाले इस भवन में विधायकों की बैठक क्षमता के अनुरूप सदन, अध्यक्षीय, अधिकारी, प्रतिष्ठित दर्शक, पत्रकार और दर्शक दीर्घा भी बनाया जा रहा।

इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य सचिव और विधानसभा के प्रमुख सचिव, सचिव, अन्य सचिवों के लिए कक्ष, मीटिंग हॉल और स्टाफ कक्ष भी बनाए जा रहे हैं। यहां ऐलोपैथिक, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक औषधालय भी होंगे। वहीं, विभिन्न समिति कक्षों के अलावा पुस्तकालय, पोस्ट ऑफिस, रेलवे रिजर्वेशन काउंटर और बैंक के लिए भी कक्ष होंगे। विधानसभा के चारों ओर सड़क निर्माण, पौध-रोपण सहित सौंदर्यीकरण भी किया जा रहा है।

14 एकड़ में राजभवन, 8 एकड़ में मुख्यमंत्री आवास: नवा रायपुर के सेक्टर-24 में राजभवन, सीएम हाऊस, मंत्रियों और अफसरों के बंगले के साथ ही 164 आवास बनाए जा रहे हैं। इसमें करीब 505 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। राजभवन का कैंपस 14 एकड़ में होगा, जहां दरबार हॉल के साथ सेक्रेट्रिएट बिल्डिंग और स्टाफक्वार्टर होगा। 8 एकड़ में बनने वाले सीएम हाऊस में 6 बैडरुम, फैमिली, लिविंग रूम, प्राइवेट थिएटर, हेल्थ सेंटर और बड़ी लाइब्रेरी होगी।

पेट्रोलियम टैंकर ने बाइक सवार को कुचला

कंधे के ऊपर से निकला टायर, 100 मीटर तक घसीटते ले गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले नागपुर-कोलकाता नेशनल हाईवे पर पेट्रोलियम टैंकर ने बाइक सवार को कुचल दिया है। हादसा इतना भयानक था कि टैंकर का टायर उसके कंधे के गुजर गया। जिससे शव टैंकर के नीचे फंस गया और 100 मीटर तक घसीटता चला गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बॉडी को बाहर निकाला। मामला आरंग इलाके का है।

दरअसल, महासमुंद के बरबसपुर निवासी परस निषाद (50) खेती-किसानी का काम करता था। गुरुवार सुबह 9 बजे बाइक से आरंग से अपने घर महासमुंद की ओर जा रहा था। तभी आरंग के पारागांव के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पेट्रोलियम टैंकर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

निचले हिस्से में फंसा शव: टक्कर लगते ही टैंकर का अगला टायर परस के कंधे को कुचलते हुए आगे निकल गया। जिससे लाश टैंकर के निचले हिस्से में फंस गई। ब्रेक लगाने के बावजूद टैंकर ने 100 मीटर तक लाश को घसीट दिया। इस दौरान उसकी बाइक भी चकनाचूर होकर टैंकर के सामने हिस्से में फंसी रही। इस हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची आरंग पुलिस ने लाश को आसपास के स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला। फिर उसे सीएचसी आरंग भेज दिया गया।

लंदन एयरपोर्ट से उड़ा प्लेन 9 घंटे बाद वहीं लौटा

अमेरिका जाने के लिए 7779 किमी घूमा; तकनीकी खराबी की वजह से लौटना पड़ा

ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट 9 घंटे की यात्रा के बाद उसी जगह लौटी है, जहां से उसने टेकऑफ किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक बोइंग की 787-9 ड्रीमलाइनर फ्लाइट लंदन से टेक्सास जा रही थी। हालांकि, कनाडा के एयरस्पेस में पहुंचने पर विमान में कुछ तकनीकी दिक्कत आई। इसके बाद फ्लाइट को वापस लंदन ले जाया गया।

विमान में 300 यात्री मौजूद थे और वे सभी सुरक्षित हैं। यह फ्लाइट सोमवार (10 जून) को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से 9:27 मिनट पर रवाना हुई थी। इसके बाद 7779 किमी की यात्रा और साढ़े 9 घंटों तक आसमान में रहने के बाद विमान शाम 6:54 बजे वापस लंदन में ही लैंड हुआ।

लंदन से टेक्सास जाने में लगते हैं 10 घंटे 15 मिनट: आमतौर पर विमान को लंदन से टेक्सास पहुंचने में 10 घंटे 15 मिनट लगते हैं। ब्रिटिश एयरवेज ने बताया कि विमान में एक छोटी तकनीकी खराबी आई थी। इसे ठीक करने की सुविधा लंदन में मौजूद कंपनी की फैसेलिटीज में ही उपलब्ध थी, जिस वजह से इसे वापस ब्रिटेन भेजा गया। लंदन वापस लौटने पर घबराए पैसेंजर्स को क्रू ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी की वजह से प्लेन को वापस लाया गया है। ब्रिटिश एयरवेज ने बयान जारी कर पैसेंजर्स से असुविधा के लिए माफी मांगी है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइंस ने सभी पैसेंजर्स को टेक्सास जा रही दूसरी फ्लाइट पर शिफ्ट कर दिया।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट की हुई थी इमरजेंसी लैंडिंग: इससे पहले पिछले हफ्ते ही ब्रिटिश एयरवेज के एक प्लेन की हॉलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। दरअसल, टेकऑफ के करीब 90 मिनट बाद फ्लाइट के कॉकपिट में अचानक धुआं भर गया था। फ्लाइट लंदन से ऑसलो जा रही थी। धुआं भरना शुरू होते से ही कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इमरजेंसी लैंडिंग का मैसेज भेजा। इसके बाद विमान को ऐम्सटर्डैम में लैंड कराया। 190 पैसेंजर्स के एयरपोर्ट उतरते ही कई फायर इंजन और इमरजेंसी गाड़ियां वहां पहुंच गई। इसके बाद घबराए पैसेंजर्स को प्लेन से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया।

पाकिस्तान की संसद में भारतीय चुनाव की तारीफ

सांसद बोले- हिंदुस्तान के चुनाव में कोई धांधली नहीं हुई, क्या हमारे देश में भी कभी ऐसा होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इमरान खान की पार्टी के सांसद शिबली फराज ने पाकिस्तानी संसद में भारत में हुए चुनाव की तारीफ की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि सब जानते है की पाकिस्तान में हुए चुनावों में धांधली हुई है पर हमारे पड़ोसी देश में भी चुनाव हुए। लेकिन आज कोई नहीं कह सकता इसमें धांधली की गई।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में 80 करोड़ लोगों ने वोट किया है। वहां वोटिंग के लिए लाखों पोलिंग स्टेशन बनाए गए थे। वहां एक व्यक्ति के लिए भी वोटिंग सेंटर बना था। हिन्दुस्तान में पूरा इलेक्शन ईवीएम से हुआ, जो एक महीने से भी ज्यादा चला।

फराज ने अपनी सरकार से पूछा- क्या हिंदुस्तान के चुनावों के नतीजों को लेकर अभी तक एक भी आवाज उठी है? वहां की सारी पार्टियों ने मना है चुनाव निष्पक्ष हुए हैं। उन्होंने संसद में सवाल उठाया कि क्या कभी पाकिस्तान में भी बिना किसी धांधली के चुनाव हो सकते हैं?

लोग भी चाहते हैं कि पाकिस्तान में निष्पक्ष हो: शिबली फराज ने संसद के स्पीकर सरदार सादिक से कहा कि हम लोग भी चाहते हैं कि पाकिस्तान में निष्पक्ष चुनाव हों। हमारे यहां चुनाव होते हैं तो इसके रिजल्ट्स को न तो हारने वाली पार्टी मानती है न ही जीतने वाली। इस तरह की चीज ने हमारी पॉलिटिकल सिस्टम को पूरी तरह खोखला कर दिया है। उन्होंने कहा कि क्यों नहीं हम लोग भी हिन्दुस्तान की तरह फ्री एंड फेयर इलेक्शन करा सकते हैं। लेकिन सबको पता है कि इस देश की ज्यादा पॉलिटिकल पार्टियां ऐसा होने नहीं देंगी।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी कर चुके हैं भारत की तारीफ

इससे पहले पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी भारत की तारीफ की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नकवी ने कहा था कि आज भारत में वहां के व्यापारियों की वजह से विकास हो रहा है। भारत में बिजनेसमैन की इज्जत की जाती है। जबकि पाकिस्तान में अगर कोई व्यापारी आगे बढ़ता है तो उसे चोर कह दिया जाता है।

दरअसल, मोहसिन नकवी हाल ही में सामने आई दुबई लीक्स रिपोर्ट के बारे में बात कर रहे थे। इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के 17 हजार नागरिकों के पास दुबई में 23 हजार से ज्यादा प्रॉपर्टीज हैं। इनकी कुल कीमत 91 हजार करोड़ से ज्यादा है। इस लिस्ट में पाकिस्तान राजनेताओं, मंत्रियों और फौज के अधिकारियों के साथ मोहसिन नकवी की पत्नी का भी नाम है।

जम्मू-कश्मीर में 4 दिन में 4 हमले, मोदी ने मीटिंग की

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (13 जून) को जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटनाओं को लेकर मीटिंग की। इसमें एनएसए अजीत डोभाल समेत सुरक्षा एजेंसियों के कई अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में पीएम मोदी को आतंकियों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी दी गई। पीएम ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बातचीत की।

उन्होंने वहां के हालात के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से भी बातचीत की। जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा में पिछले

चार दिनों में चार आतंकी घटनाएं हुई हैं। इसमें 9 श्रद्धालुओं की जान चली गई।

1 जवान शहीद हुआ और 2 आतंकी मारे गए। चारों घटनाओं में 6 जवानों समेत कुल 49 लोग घायल हुए हैं। कुपवाड़ा में शब्बीर अहमद नाम के एक ओवर ग्राउंड वर्कर को पकड़ा गया है, जो आतंकियों की मदद कर रहा था। उसके पास से हथियार भी बरामद हुए हैं। रियासी में हुए आतंकी हमले के मामले में 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा का राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार गुरुवार (13 जून) को मुंबई के विधान भवन पहुंचकर राज्यसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने गुरुवार (13 जून) को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। (अजित गुट) के सांसद प्रफुल्ल पटेल के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की बारामती सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था। उनके सामने शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले थीं। चुनाव में सुनेत्रा अपनी ननद से करीब डेढ़ लाख वोटों से हार गई थीं। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि पार्टी के कोर ग्रुप के सदस्यों ने सुनेत्रा पवार को राज्यसभा सीट देने का फैसला सर्वसम्मति से किया है। कई लोग वह सीट चाहते थे, लेकिन चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि सुनेत्रा पवार को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए। मैं इस फैसले से बिल्कुल भी परेशान नहीं हूं। एनसीपी (अविभाजित) के नेता प्रफुल्ल पटेल 2022-28 के लिए राज्यसभा सांसद चुने गए थे। इसके बाद पार्टी टूट गई और अजित पवार अपने चाचा शरद पवार से अलग हो गए। इस दौरान प्रफुल्ल ने अजित का साथ दिया। वहीं, शरद पवार ने दसवीं अनुसूची की धारा 2 के तहत पटेल के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की। इसमें दलबदल के आधार पर अयोग्यता का प्रावधान था।

पेमा खांडू तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने

ईटानगर (एजेंसी)। पेमा खांडू गुरुवार 13 जून को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद चाउना मीन ने डिप्टी ष्टरू की शपथ ली। उनके अलावा बियुराम वाघा, न्यातो दुकम, गणरील डेनवांग वांगसू, वानकी लोवांग, पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेशन सेंटर में हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू

और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा मौजूद रहे। बुधवार 12 जून को ईटानगर में हुई बैठक में खांडू को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मीटिंग में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ शामिल थे। इसके बाद खांडू सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल केटी परनायक से मिले थे। पेमा खांडू 2016 से अरुणाचल के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने नबाम तुकी के इस्तीफे के बाद पहली बार पदभार संभाला था।

जब खांडू पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, तब वे कांग्रेस के साथ थे। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान वे भाजपा में शामिल हो गए। पेमा खांडू के पिता दोरजी खांडू भी अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

ने 71 लाख भारतीय अकाउंट्स को किया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैजेट डेस्क ने भारतीय अकाउंट्स पर एक्शन लेते हुए 71 लाख अकाउंट्स को बैन कर दिया है। रिपोर्ट्स का कहना कि इनमें ज्यादातर अकाउंट साइबर फ्रॉड और स्कैम से संबंधित हैं, जबकि कुछ लोगों ने वॉट्सअप की पॉलिसी का उल्लंघन किया है। वॉट्सअप द्वारा जारी मंथली रिपोर्ट में बताया गया है कि उसने करीब 71 लाख भारतीय अकाउंट को बैन कर दिया है। ये अकाउंट 1 अप्रैल 2024 से लेकर 30 अप्रैल 2024 तक के बीच किए गए हैं। कंपनी का कहना है कि अगर यूजर्स कंपनी की पॉलिसी का उल्लंघन करते हैं तो उन्हें भी बैन किया जाएगा। वॉट्सअप ने 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 के बीच कुल 71, 82,000 अकाउंट बैन किए हैं। ऐप को अप्रैल में तकरीबन 10 हजार रिपोर्ट्स मिली थी कि कुछ अकाउंट नियमों की उल्लंघना कर रहे हैं। सामने आई रिपोर्ट्स के बेस पर केवल 6 हज़ार अकाउंट्स पर एक्शन लिया गया है, जबकि बाकी इस प्रोसेस से गुजर रहे हैं।

टीम मोदी 3.0 ने अपने प्रमुख लक्ष्य निर्धारित कर कार्यभार संभाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि गृह मंत्रालय राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और यह आतंकवाद और माओवाद के खिलाफ एक सुरक्षा कवच बना रहेगा। बीजेपी के मुख्य रणनीतिकार, एनडीए के पूर्व अध्यक्ष और गांधीनगर लोकसभा सीट से सांसद ने सहकारिता मंत्रालय का भी कार्यभार संभाला, जिसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान एक अलग मंत्रालय के रूप में बनाया गया था। शाह ने पिछले कार्यकाल में इन दोनों मंत्रालयों का नेतृत्व किया था। शाह ने अपने पोस्ट में कहा कि सभी भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। मंत्री ने लिखा, मोदी 3.0 भारत की सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों को अगले स्तर तक ले जाएगा और भारत को आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के रूप में तैयार करेगा। शाह ने एक अलग पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लाखों लोगों को सशक्त बनाना जारी रखेगी और किसानों को मजबूत बनाने की दिशा में काम करेगी।

खाद्य उत्पादों में इजाफे पर कांग्रेस ने भाजपा पर कसा तंज, कहा- मोदी है तो महंगाई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कटाक्ष करते हुए कहा कि ''मोदी है तो महंगाई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास महंगाई से जुड़े संकट का कोई समाधान नहीं है। खाद्य उत्पादों की कीमतों में मामूली कमी आने से खुदरा मुद्रास्फीति मई के महीने में एक साल के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर आ गई और यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे में बनी रही। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति में जनवरी से ही जारी गिरावट का सिलसिला मई में भी कायम रहा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 8.69 प्रतिशत रही जो अप्रैल के 8.70 प्रतिशत से थोड़ा ही कम है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''मोदी है तो महंगाई है। चार महीनों से खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति 8.5 प्रतिशत से अधिक है। दालों की महंगाई दर पिछले एक वर्ष में लगातार दोहरे अंक में है जो 10 प्रतिशत से ज़्यादा है।

महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ रिश्ता खत्म कर सकती है बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संबंध तोड़ सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो बीजेपी आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ सकती है। अजित पवार ने जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपा का बड़ा गुट अजित को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है। यह बात तब सामने आई है जब आरएसएस के मुखपत्र में एक लेख में कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार का एक कारण था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा

विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतीं। एनडीए का हिस्सा सत्तारूढ़ महायुति को सिर्फ 17 सीटें मिलीं।

आइसक्रीम के अंदर से निकली इंसान की कटी उंगली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई के मलाड क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक लड़के ने दावा किया है कि उसके द्वारा ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम कोन के अंदर एक कटी हुई इंसानी उंगली मिली है। लड़के ने इस घटना की तस्वीर साझा की और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि उससे खाना भी नहीं खाया जा रहा है. वह खुद अपनी व्यथा बताने के लिए सामने आया है। जी हां, पीड़ित ब्रेंडन फेराव की आइस्क्रीम से कटी उंगली मिली है। लड़के ने बताया कि उसने आधी से अधिक आइसक्रीम खा ली थी, लेकिन जब उसे कुछ गड़बड़ महसूस हुई, तो उसने देखा कि आइसक्रीम के अंदर एक इंसानी कटी हुई उंगली है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक तहकीकात में यह बात सामने आई है कि आइसक्रीम कोन में वास्तव में इंसानी अंग है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आइसक्रीम में मिले अंग को फोरेंसिक लैब (स्नस्रु) भेजा है। ओरलेम निवासी ब्रेंडन सेराओ (27) ने बुधवार को ऑनलाइन डिलीवरी ऐप के माध्यम से कोन आइसक्रीम का ऑर्डर दिया था। सेराओ, जो पेशे से डॉक्टर हैं,

अग्निवीर योजना में बड़े बदलाव की तैयारी, मोदी सरकार कर सकती है रिव्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना में अब जवानों की भर्ती अग्निपथ योजना के तहत हो रही है लेकिन लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने अग्निवीर योजना के मुद्दे को जोर-शोर के साथ जनता के बीच उठाया था। इतना ही नहीं जब बीजेपी सरकार बनीं तो उनके सहयोगी दलों ने भी स्कीम में बदलाव की मांग कर दी है। वहीं जिस दिन इस स्कीम को लागू किया गया था तब से यह बात भी रक्षा मंत्रालय की तरफ से कही गई थी कि समय-समय पर इसको रिव्यू किया जाएगा। अगर कोई परिवर्तन करना हो तो उसे भी किया जाएगा। अग्निपथ स्कीम को लागू हुए डेढ़ साल का वक्त हो चुका है और इन डेढ साल में इस स्कीम को रिव्यू किया जा रहा है। सूत्रों की माने डीएमए यानी कि डिपार्टमेंट ऑफ मिलेट्री अफेयर्स ने तीनों सेना से इस पर रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों की मानें तो चार साल के कार्यकाल को बढ़ने, ज्यादा भर्ती और 25 पर्सेंट रिटेंशन की सीमा को बढ़ाने की बात की जा रही है, लेकिन यह कितनी होगी इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। इसके अलावा ट्रेनिंग और या ड्यूटी पर किसी अग्निवीर को मौत या घायल होने की सूरत में परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने को लेकर भी मंथन हो रहा है। इतना ही नहीं रेगुलर सेना के जवानों और अग्निवीर को मिलने वाली छुट्टियों के अंतर में भी बदलाव किया जा सकता है। मसलन सामान्य सोलजर को साल में 90 दिन की छुट्टी मिलती है, तो अग्निवीरो को साल में सिर्फ 30 दिन की। अभी अग्निवीरों के पहले बैच को आउट होने में ढाई साल का समय है तो अगर किसी तरह के बदलाव किए गए तो पहले बैच के आउट होने से पहले ही कर दिए जाए ताकी उसका फायदा पहले बैच के अग्निवीरों को मिल सके।

अजीत डोभाल को मिला एक्टेंशन, बने रहेंगे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजीत डोभाल नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (ह्स्र) बने रहेंगे। यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। अजीत डोभाल को साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया था। इसके बाद 2019 में भी उनके कार्यकाल को बरकरार रखा गया था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने में अजीत डोभाल की बड़ी भूमिका रही है इसके अलावा पीके मिश्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव बने रहेंगे। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने रविवार यानी 09 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। प्रधानमंत्री के साथ ही 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 36 राज्य मंत्रियों ने भी शपथ ली है।

हिमाचल का दिल्ली को पानी देने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की है। दिल्ली में जल संकट को लेकर गुरुवार (13 जून) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश ने कोर्ट से कहा कि उसके पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है। एक दिन पहले (12 जून को) हिमाचल ने कहा था कि उसकी तरफ से पानी छोड़ा गया है। हरियाणा की तरफ से पानी सप्लाई किया जाना बाकी है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना के पानी का बंटवारा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। हमारे पास दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच जल-बंटवारे के फॉर्मूले पर फैसला लेने की टेक्निकल

एक्सपर्टीज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर बोर्ड ने पहले ही दिल्ली को मानवीय आधार पर पानी की आपूर्ति के लिए आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। अगर दिल्ली सरकार ने एप्लीकेशन नहीं दी है तो आज शाम 5 बजे तक दे दें। कोर्ट ने यमुना रिवर बोर्ड को शुक्रवार (14 जून) को एक बैठक बुलाकर दिल्ली सरकार के एप्लीकेशन पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अगर जरूरत हो तो रोज बैठक कीजिए।

दरअसल, दिल्ली की आप सरकार ने जल सकंट को लेकर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हिमाचल प्रदेश एक्स्ट्रा पानी देने के लिए तैयार था। कोर्ट ने 6 जून को हिमाचल को 137 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार ने कहा था कि यह पानी हमारे यहां अभी नहीं पहुंचा।

अमेरिका और आयरलैंड के मुकाबला पर पाकिस्तान की रहेगी नजर

फ्लोरिडा (एजेंसी)। घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली अमेरिका की टीम शुक्रवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के अहम मुकाबले में आयरलैंड का सामना करेगी तब इस मैच के परिणाम पर पाकिस्तान की भी नजर होगी। अमेरिका के तीन मैचों में चार अंक है और इस मुकाबले के जीतकर उसके पास सुपर आठ में पहुंचने का सुनहरा मौका है। इससे 2009 की चैम्पियन पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जायेगी। पाकिस्तान को हराने के बाद भारत को कड़ी टक्कर देने वाले अमेरिका के लिए हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि आयरलैंड की टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं। यह टीम शुरुआती दो मैचों में मिली हार को पीछे छोड़कर जीत की राह पर लौटने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगायेगी। आयरलैंड के बल्लेबाजों ने भारत और फिर कनाडा के खिलाफ न्यूयॉर्क में काफी खराब बल्लेबाजी की है। फ्लोरिडा की पिच हालांकि बल्लेबाजी के लिए आसान है और ऐसे में मैच में बड़ा स्कोर देखने को मिल सकता है। अमेरिका के लिए हालांकि नियमित कप्तान मोनाक पटेल की वापसी राहत की बात होगी जो चोट के कारण भारत के खिलाफ नहीं खेल सके थे।

इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और मैच रद्द होने पर पाकिस्तान की टीम सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो जायेगी। इस स्थिति में अमेरिका के पांच अंक हो जायेंगे और पाकिस्तान अधिकतम चार अंक तक ही पहुंच पायेगा।

टीमें अमेरिका- मोनाक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

आयरलैंड-आयरलैंड- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग मैच भारतीय समयानुसार रात आठ बजे शुरू होगा।

अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में भारत को मिले 5 पेनल्टी रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया ने जीत की हैट्रिक लगाई है। भारत ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में जगह बना ली है। ग्रुप-ए से सुपर-8 का टिकट पक्का करने वाली भारत पहली टीम बन गई है।

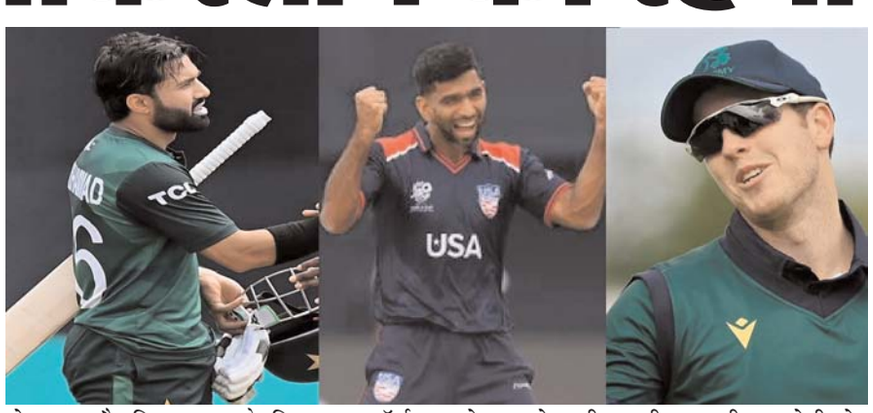

भारत ने इससे पहले लीग राउंड में आयरलैंड और पाकिस्तान को हराया है। टीम इंडिया के लिए अमेरिका के खिलाफ इससे पहले लीग राउंड में आयरलैंड और पाकिस्तान को हराया है। टीम इंडिया के लिए अमेरिका के खिलाफ ये जीत बिल्कुल भी आसान नहीं थी। 15 ओवर खत्म होते ही अगर भारत को पांच पेनल्टी रन के नहीं मिले होते, तो मैच का नतीजा कुछ और भी हो सकता है। बताते हैं कि इस मैच के सबसे बड़े टर्निंग प्वाइंट क्या थे और भारत को क्यों पेनल्टी रन मिली। सबसे पहले तो बता दें कि, मैच का सबसे टर्निंग पॉइंट् वैसे टीम इंडिया को ये पांच रन पेनल्टी के मिलना ही था। भारत ने 39 रनों तक विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत का विकेट गंवा दिया था। सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे को भी एक-एक रन बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा रहा था। 15 ओवर खत्म होने के बाद और 16वां ओवर शुरू होने से पहले भारत को पांच रन पेनल्टी के मिल गए। 30 गेंदों पर जहां भारत को 35 रनों की जरूरत थी, वहीं ये समीकरण बदल गया और अब भारत को 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे।

भारत ने अमेरिका को 7 विकेट से दी मात, रोहित ब्रिगेड की सुपर-8 में हुई एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी लगातार तीसरी जीत की हैट्रिक लगा दी है। बुधवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने अमेरिका को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 110 रन बनाए। वहीं 18.2 ओवर में महज 3 विकेट के नुकसान पर भारत ने लक्ष्य को हासिल कर लिया। वहीं अर्शदीप सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। हालांकि, भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, भारतीय मूल के अमेरिकी गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने भारत को दो झटके विराट कोहली और रोहित शर्मा के रूप में दिए। इस दौरान विराट कोहली डक आउट हुए जबकि रोहित शर्मा महज 3 ही रन बना पाए। दो बड़े खिलाड़ियों के पवेलियन लौटने के बाद सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया की नैया पार लगाई। सूर्या ने ऋषभ पंत (18) के साथ तीसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी की। उन्होंने शिवम दुबे के संग चौथे विकेट के लिए 67 रन जोड़े और भारतीय टीम को जिताकर लौटे। सूर्या ने 49 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। दुबे ने 35 गेंदों में नाबाद 31 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक सिक्स शामिल है। इससे पहले, अमेरिकन ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 110 रन जुटाए।

वहीं अमेरिका की तरफ से सबसे ज्यादा रन नीतीश कुमार (27) ने बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की, उन्होंने चार ओवर में 9 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए।

न्यूयॉर्क का नासाउ क्रिकेट स्टेडियम तोड़ा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए तैयार कराने में करीब 248 करोड़ रुपये का खर्चा लगा था जिसमें पहले क्रिकेट के पहल मॉड्यूलर स्टेडियम को तैयार किया गया था। हाल ही में भारत ने अमेरिका को इस स्टेडियम में खेले गए मैच में 7 विकेट से रौंदा था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अभी तक एक चीज काफी विवादों में रही, वो है न्यूयॉर्क का नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम। इस स्टेडियम की पिच काफी विवादों में रही थी, सभी टीमों को इस पिच पर काफी संघर्ष करना पड़ा। वहीं इसी स्टेडियम पर क्रिकेट जगत का महामुकाबला यानी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला गया। पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के मैच में यूएस की टीम हिस्सा ले रही है और अमेरिका में ही इसके मैच खेले जा रहे हैं।

हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने पहले फ्लोरिडा और टेक्सस के मैदानों को चुना था, लेकिन न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में मुकाबले खेले जाने का फैसला लिया गया। इस स्टेडियम में भारतीय टीम ने अपने तीन मैच खेले और तीनों मैचों में भारत को जीत हासिल हुई। बीते दिन अमेरिका को भारत ने 7 विकेट से हराया और सुपर-8 में जगह बनाई। इस मैच के बाद अब इस स्टेडियम को कल से तोड़ने का काम किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी। जिसमें स्टेडियम को तोड़ने के लिए बुलडोजर वेन्यू पर देखने जा रहे हैं। दरअसल, न्यूयॉर्क के

नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए तैयार कराने में करीब 248 करोड़ रुपये का खर्चा लगा था, जिसमें पहले क्रिकेट के पहले मॉड्यूलर स्टेडियम को तैयार किया गया था। हाल ही में भारत ने अमेरिका को इस स्टेडियम में खेले गए मैच में 7 विकेट से रौंदकर अपनी जीत पक्की की है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर हसन अली ने की रियासी आतंकी हमले की निंदा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी में बस पर हुए आतंकी हमले की दुनियाभर में निंदा हो रही है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। वहीं अब पड़ोसी मुल्क से भी इसकी निंदा की गई है। दरअसल, पाकिस्तानी क्रिकेटर हसन अली ने भी श्रद्धालुओं से भरी बस पर इस कायराना हमले की निंदा की है। उनकी पोस्ट की जहां कई लोग तारीफ कर रहे हैं, वहीं कई लोगों को उनकी पोस्ट चुभन का काम कर रही है। लोग उनकी आलोचना भी कर रहे हैं। जिसके बाद नौबत यहां तक आ गई कि, हसन अली की अब सफाई भी देनी पड़ी है। दरअसल, 9 जून को रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया था। इस हमले में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई थी। हसन अली ने आंतकी हमले की अपनी संवेदना जताते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इस दौरान उन्होंने लिखा, आतंकवाद/हिंसा एक गंभीर मुद्दा है, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म के खिलाफ हो, इसलिए मैंने इसे शेयर किया था। मैं जहां भी और जिस तरह से भी संभव हो शांति का समर्थन करने की कोशिश करता हूं। मैंने हमेशा गाजा में हुए हमलों की निंदा की है और जहां भी निर्दोष लोगों पर हमला किया जा रहा है, वहां ऐसा करना जारी रखूंगा। हर इंसान की जान मायने रखती है। अल्लाह ग्वादर में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को जन्नत में स्थान दे, आमीन।

लोरिडा में बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात, मुश्किल में पाकिस्तान टीम

फ्लोरिडा (एजेंसी)। अमेरिका और भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद पाकिस्तान को कनाडा के खिलाफ पहली जीत हासिल हुई। इस जीत से भी पाकिस्तान की मुश्किल कम नहीं हुई है। दो हार के बाद कनाडा के खिलाफ एक जीत ने पाकिस्तान की परेशानी कम नहीं बढ़ा दी है। अब फ्लोरिडा के मौसम ने उनकी दिल की धड़कनें बढ़ा दी है। पाकिस्तान को अपना आखिरी मैच फ्लोरिडा में खेलना है। फ्लोरिडा में बारिश के कारण बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में पाकिस्तान की सुपर-8 की राह और मुश्किल हो गई है। फ्लोरिडा में बीते कई दिनों से जारी बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बन गई है। बुधवार रात को मियामी, कोलियर और भी कई शहर में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। सोशल मीडिया पर फ्लोरिडा की कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें गाड़ियां बारिश के पानी में डूबती दिख रही हैं। फ्लोरिडा में 14 जून को अमेरिका और आयरलैंड, 15 जून को भारत और कनाडा और 16 जून को पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच मुकाबला खेला जाना है। तीनों ही दिन भारी बारिश की आशंका जताई गई है। वहीं पाकिस्तान को अपना आखिरी मैच आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को खेलना है। हालांकि, पॉइंट्स टेबल और मौसम के मिजाज को देखकर ऐसा भी हो सकता है कि टीम आखिरी मैच से पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। पाकिस्तान के तीन मैचों में दो अंक है। वह ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर है। वहीं अमेरिका की टीम चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका का आखिरी मैच 14 जून को आयरलैंड के खिलाफ है। ये मैच भी फ्लोरिडा में होना है। अगर ये मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो जाता है तो अमेरिका और आयरलैंड को 1-1 अंक मिलेगा। ऐसे में अमेरिका के पांच अंक हो जाएंगे, ऐसे में आखिरी मैच जीतकर भी पाकिस्तान के चार अंक होंगे। ऐसे में वह क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। अगर अमेरिका अपने आखिरी मैच आयरलैंड से हार जाता है और पाकिस्तान का मैच बारिश से रद्द हो जाता है तो भी पाकिस्तान क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। ऐसे में पाकिस्तान को दुआ करनी होगी कि कोई भी मैच बारिश से रद्द न हो। आयरलैंड 14 जून को अमेरिका को हराए वहीं पाकिस्तान खुद भी आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला जीत जाए।

एक बार फिर फ्लॉप हुए विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अमेरिका के खिलाफ विराट कोहली के गोल्डन डक पर आउट होने के बाद रोहित शर्मा पूरी तरह से हैरान दिखे। विराट कोहली पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में गोल्डन डक का शिकार हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, कोहली को टी20 वर्ल्ड कप में रोहित के साथ ओपनिंग करने के लिए ऊपर लाया गया था। हालांकि, ये निर्णय अभी तक कुछ फल देता हुआ नजर नहीं आ रहा है क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान को मैन इन ब्लू के लिए अब तक के सभी तीन मैचों में दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। वहीं विराट कोहली मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज द्वारा फेंकी गई फुल लेंथ गेंद के खिलाफ ड्राइव करने गए क्योंकि गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेट के पीछे आंद्रेई गौस के पास पहुंच गई। ये भी पहली बार है, जब कोहली टी20 वर्ल्ड कप में शून्य पर आउट हुए हैं। इस सीजन में उनका स्कोर आयरलैंड के खिलाफ 1, पाकिस्तान के खिलाफ 4 और अमेरिका के खिलाफ 0 रहा है।

इस दिन टकराएंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ने कर ली सुपर-8 में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते बुधवार को टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप में अपने तीसरे ग्रुप ए गेम में यूएसए को हराया। जिसके बाद टीम ने सुपर-8 चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नासाउ काउंटी के तेज गेदंबाजों की मददगार विकेट पर केवल 111 रनों का पीछा करते हुए भारत ने 18.2 ओवर में सात विकेट रहते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया है। वहीं, भारतीय टीम सुपर-8 राउंड में अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम सैंट लुसिया में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच 24 जून को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा। दरअसल, भारत को पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा और आयरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं टीम इंडिया को शनिवार को कनाडा के खिलाफ अपना मुकाबला खेलना है। वहीं लगातार तीन जीत के बाद टीम इंडिया 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ टॉप पर काबिज है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-बी में 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ पहले नंबर पर बना हुआ है। अब तक भारत ने आयरलैंड के अलावा पाकिस्तान और अमेरिका को हराया है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने ओमान के अलावा इंग्लैंड और नामीबिया को शिकस्त दी है।

जीत के बाद रोहित शर्मा क बयान, कहा- हमें पता था कि लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में बुधवार को यहां सात विकेट की जीत दर्ज करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को यहां कहा कि उन्हें पता था कि इस पिच पर लक्ष्य कर पीछा करना मुश्किल होगा। अमेरिका को आठ विकेट पर 110 रन पर रोकने के बाद भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिए मैन ऑफ द मैच अर्शदीप सिंह ने नौ रन देकर चार विकेट लिये। सूर्यकुमार यादव (नाबाद 50) और शिवम दुबे (नाबाद 31) ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंद में 67 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' हम जानते थे कि इतना रन बनाना मुश्किल होगा। इसे हासिल करने का श्रेय हमें जाता है। सूर्यकुमार और दुबे ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।' रोहित ने मैच में कड़ी टक्कर देने के लिए अमेरिका के खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए, '' अमेरिका में कई खिलाड़ी के साथ हम खेल चुके हैं। उनके क्रिकेट की विकास को देखकर मैं खुश हूं, हमने उन्हें एमएलसी में खेलते हुए देखा है। वे कड़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ी है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

वेस्टइंडीज टीम ने सुपर 8 के लिए किया क्वॉलिफाई, न्यूजीलैंड पर लटकी तलवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में एक और टीम पहुंच गई है। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को मात दी। इसी के साथ टूर्नामेंट की मेजबान टीम ने ग्रुप सी से सुपर 8 में जगह बना ली है। जबकि न्यूजीलैंड टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने की तलवार लटक रही है। बता दें कि, कीवी टीम के पास सुपर-8 में पहुंचना लगभग नामुमकिन हो गया है। हालांकि, थोड़े बहुत चांस टीम के सुपर 8 में पहुंचने के अभी भी बाकी हैं। लेकिन इसके लिए न्यूजीलैंड को पहले तो अपने दोनों बचे हुए मैच जीतने होंगे और फिर बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं, अगर अफगानिस्तान ने शुक्रवार 14 जून को पापुआ न्यू गिनी को हरा दिया तो न्यूजीलैंड आधिकाकिरक तौर पर टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

सुपर-8 के क्वॉलिफिकेशन के नजरिए से ग्रुप सी की पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो वेस्टइंडीज की टीम तीन मैचों में जीत दर्ज करके सुपर-8 में पहुंच गई है। वहीं, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड में से कोई एक टीम इस ग्रुप से सुपर 8 के लिए पहुंचेगी। मौजूदा समय में अपगानिस्तान के सुपर 8 में पहुंचने के चांस ज्यादा हैं, क्योंकि टीम का एक मुकाबला कमजोर पापुआ न्यू गिनी से है, जो दो मुकाबले पहले ही हार चुकी है। इसके अलावा एक मैच वेस्टइंडीज से है। वहीं, युगांडा, पीएनजी और न्यूजीलैंड का नेट रन रेट बहुत ही बेकार है। ऐसे में अगर अफगानिस्तान की टीम अपने दोनों मैच करीबी अंतर से हार भी जाएगी तो भी सुपर 8 में पहुंच सकती है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए थे। यहां तक की टीम के 9 विकेट 18वें ओवर में ही गिर गए थे। उस समय टीम का स्कोर महज 112 रन था, लेकिन शेरफन रदरफोर्ड ने आखिरी दो ओवरों में अकेले 37 रन बनाए और मैच पलट दिया था। वहीं, जब न्यूजीलैंड की टीम 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन बना सकी और मुकाबला 13 रनों से हार गई। कीवी टीम की ये इस टूर्नामेंट में दूसरी हार है। टीम का नेट रन रेट पहले से ही खराब है। ऐसे में टीम अपने दम पर सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी। कीवी टीम के टॉप ऑर्डर ने एक बार फिर से निराश किया है जबकि टीम के पांच विकेट 63 रन पर ही गिर गए थे।

दुर्गापुर, शिवराजपुर की रिक्त भूमि पर सोलर प्लांट की संभावनायें तलाशें

नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री ने विकास परियोजना एवं कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने नागौद जनपद की दुर्गापुर और शिवराजपुर ग्राम पंचायत में रिक्त शासकीय भू-खंड पर सोलर प्लांट लगाने की संभावनायें तलाशने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। गुरुवार को राज्यमंत्री ने नागौद और सोहावल जनपद के सीईओ, सहायक यंत्रियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर दोनो ब्लॉकों में चल रहे विकास परियोजनाओं एवं शासकीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस मौके पर एसडीएम राहुल सिलाढ़िया, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी, अशोक मिश्रा, सहायक यंत्री जनपद, एसडीओ जल संसाधन भी उपस्थित थे।

राज्यमंत्री बागरी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नागौद और सोहावल विकासखंड में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ग्राम वन और नगर वन की अवधारणा को भी क्रियान्वित किया जाए। अभियान के दौरान वृहद वृक्षारोपण कार्य के लिए गड्ढों की तैयारी और पौधों की उपलब्धता अभी सुनिश्चित कर लें और बरसात प्रारंभ होते ही वृक्षारोपण कार्य की शुरुआत करें। ग्राम वन और नगर वन के वृक्षारोपण में सुरक्षित फेंसिंग, पत्थर की खखरी और सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा देवें। नदियों के किनारे पीपल, बरगद, नीम, कहुआ जैसे पौधे लगाए जाएं।

राज्यमंत्री ने कहा कि खैरुआ सरकार धाम आस्था का केंद्र बिंदु है। यहां राजमार्ग से 60 फीट चौड़ी सड़क भी लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत की गई है। खैरुआ सरकार धाम के पीछे के प्राचीन सरोवर का सौंदर्यीकरण कर पार्क का स्वरूप दिया जा सकता है। पार्किंग एवं अन्य जन सुविधा विकसित कर इसे धार्मिक पर्यटन का स्वरूप दिया जाए। राज्यमंत्री ने कहा कि आस्था के केंद्र धार्मिक स्थलों के अपग्रेडेशन का प्लान तैयार करें। उसरार में डेंस फॉरेस्ट्री को बढ़ावा दें।

ग्राम पंचायत में चल रहे कार्यों की समीक्षा में राज्यमंत्री ने कहा कि वाटर हार्वेस्टिंग, हैंडपंपों के रिचार्ज के लिए सोख्ता गड्ढा, सामुदायिक भवन, पार्क, तालाबों के सौंदर्यीकरण, गौशालाओं के संचालन पर विशेष फोकस किया जाए। इसके अलावा गांव की स्वच्छता बनाए रखने, गांवो के कचरे के उचित प्रबंधन की कार्य योजना भी बनाएं। ग्राम पंचायत नोनगरा में आरईएस द्वारा स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। शहर के नजदीक सोहावल ग्राम पंचायत के स्टेडियम को स्पोर्ट कांप्लेक्स के रूप में विकसित करने की कार्य योजना बनाएं। इसी प्रकार राज्यमंत्री ने सोहावल मोड़ पेप्टेक सिटी चौराहे से सोहावल तक सड़क चौड़ीकरण और टारझन गोदाम से इटौरा देवी मंदिर बाईपास तक सड़क निर्माण का प्लान भी तैयार करने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री बागरी ने सेमरवारा में स्टेडियम और नारायणपुर में स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति, आपूर्ति, जल जीवन मिशन के कार्यों, ग्रामीण सड़कों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के कार्यों की समीक्षा भी की। नागौद सीईओ अशोक मिश्रा ने बताया कि जनपद में 29 अमृत सरोवर के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। वर्षाकाल शुरू होते ही 75 ग्राम पंचायत को 200-200 पौधारोपण का टारगेट दिया गया है। जनपद क्षेत्र में 17 गौशालाएं संचालित की जा रही हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम पंचायतों में कुल 669 कार्य चल रहे हैं। राज्यमंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का पूर्व की स्थिति और वर्तमान की स्थिति के अनुसार डॉक्यूमेंटेशन भी करने का सुझाव दिया।

पुस्कालयों की टाइमिंग को लेकर एबीवीपी ने जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर में संचालित शासकीय पुस्तकालयों की टाइमिंग और वहां अव्यवस्था पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क उठा है। परिषद कार्यकर्ताओ ने बदइंतजामी पर नाराजगी जताते हुए गुरुवार को नगर निगम कार्यालय का घेराव किया और जबरदस्त नारेबाजी के बीच ज्ञापन सौंपा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ नगर निगम कार्यालय पहुंच कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारे लगाए और पुस्तकालयों की व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए हालात सुधारने की मांग की।

उन्होंने नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर भूपेंद्र देव परमार को एक ज्ञापन भी सौंपा और निगम प्रशासन का ध्यान पुस्तकालयों की मौजूदा स्थिति की ओर आकृष्ट कराया। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में कहा है कि स्मार्ट सिटी के अंतर्गत संचालित समस्त पुस्तकालयों (लाइब्रेरी) में तमाम समस्याएं हैं।

पुस्तकालयों में नए पाठ्यक्रम की पुस्तकें नहीं हैं,उचित बैठक और बिजली व्यवस्था नहीं है, वाईफाई नेटवर्क उपलब्ध नहीं रहता। लाइब्रेरियों में शीतल पेयजल और शौचालय का इंतजाम नहीं है। सीसीटीवी कैमरा काम नहीं करता और समय सारणी भी छात्रों के अनुकूल नहीं है। पुस्तकालय सुबह 8 बजे से खुलने चाहिए। इन तमाम बिंदुओं के बारे में कई बार छात्रों ने शिकायत भी की। हालांकि, नगर निगम ने सुधार पर ध्यान देना मुनासिब ही नहीं समझा। नतीजतन मजबूर हो कर विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई को प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा है। प्रदर्शनकारियों ने व्यवस्था सुधार के लिए नगर निगम को 5 दिन की मोहलत देते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

शिक्षक के निधन के बाद बेटी की शिक्षा के लिये साथियों ने जुटाये सवा लाख

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के लगरगवां जन शिक्षा केंद्र संकुल के सभी शिक्षकों ने अपने साथी शिक्षक शिवगोविंद पाण्डेय के असामयिक निधन के पश्चात उनकी कक्षा तीन में पढ़ रही इकलौती बेटी की बेहतर शिक्षा के लिये सवा लाख रुपये की सहयोग राशि जुटाकर अनुकरणीय मिशाल पेश की है।

'जीना तो है उसी का, औरों के काम आयें' इस सूक्ति को शिरोधार्य करते हुये इंसानियत की मिशाल पेश की है, लगरगवां के शिक्षक अखिल सिंह परिहार ने। सतना जिले के उचेहरा ब्लाक के लगरगवां जन शिक्षा केंद्र संकुल के शिक्षक शिवगोविन्द पांडेय का लगभग 2 वर्ष से प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित लंबी बीमारी के बाद दु:खद निधन हो गया। स्वर्गीय शिक्षक के साथियों ने अपनी संवेदना, करुणा, पीड़ा, मित्र की रिक्तता को मूर्तमान करते हुये स्वर्गीय शिक्षक साथी की इकलौती बेटी श्रेयशी की अच्छी शिक्षा-दीक्षा और सुखद भविष्य के लिये सवा लाख रुपये की सहयोग राशि जुटाकर एफ्डी के रुप में सुरक्षित कर दी है। शिक्षक अखिल सिंह ने अपने साथी के छूटने की पीड़ा और संवेदना को प्राचार्य श्रीमती नूपुर अवस्थी और लगभग 50 शिक्षक साथियों से साझा करते हुये मृतक की बेटी के भविष्य को उज्जवल बनाने के संकल्प को व्यक्त किया। एक-दो दिन के भीतर ही स्वर्गीय साथी के परिवार को आर्थिक सहायता के लिये सवा लाख रुपये एकत्र कर एफ्डी सौंप दी। प्राचार्य नूपुर अवस्थी, शिक्षक अतुल सिंह, निखिल सिंह सहित संकुल के सभी साथी शिक्षकों ने इंसानियत की अनुकरणीय मिशाल पेश की है।

सुरक्षित कल के लिये जरुरी है जल : विधायक मैहर

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मैहर में की गई तालाब की सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशन में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिये चलाये जा रहे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' की गतिविधियां सतना और मैहर जिले में जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को नगर पालिका मैहर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 में प्राचीन गोपाल मंदिर के पास स्थित तालाब की सफाई की गई। सफाई का अभियान मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के नेतृत्व में संचालित किया गया। तालाब की सफाई उपरांत विधायक चतुर्वेदी ने उपस्थित जनों की अभियान के बारे में बताते हुये कहा कि जल ही जीवन का आधार है। पानी के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जल के इसी महत्व को देखते हुए भारतीय संस्कृति में जल की पूजा होती आ रही है।

आने वाले कल के लिए जल संरक्षण महती आवश्यकता है। उन्होने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस अभियान से जहां एक ओर जल के संरक्षण और संवर्धन में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी और पर्यावरण में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान पूरे प्रदेश का अभियान है, पूरे समाज का अभियान है। इसमे प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील है कि वे अपने स्तर पर भी जल संचयन के लिए छोटे-छोटे प्रयास कर सकते हैं। तालाब की सफाई के दौरान तालाब के किनारे किए गए अतिक्रमण को स्वयं से हटाए जाने की समझाईस विधायक श्री चतुर्वेदी द्वारा दी गई। मौके पर उपस्थित नागरिकों द्वारा पेयजल संबंधी समस्या भी विधायक मैहर के सामने के रखी गई। जिस पर तालाब के पास लगे हैंडपंप के बोर में मशीन डालने के लिये सीएमओ मैहर को कहा गया। पेयजल की समस्या का तत्काल निराकरण करते हुये नगर पालिका द्वारा मोटर पंप डालने की कार्यवाही की गई।

नाबालिग से गैंग रेप मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रेलवे स्टेशन कैंपस से किराए के लिए पैसों का बंदोबस्त करने का प्रलोभन देकर ला जाई गई नाबालिग के साथ हुई गैंग रेप की वारदात को अंजाम देने वाले एक और आरोपी को सतना जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी को पहले ही पकड़ लिया गया था। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो बाइक और एक ऑटो रिक्शा जब्त किया गया है।

डीएसपी जीआरपी सारिका पांडेय ने बताया कि नाबालिग से गैंग रेप के एक और आरोपी राज किशोर डोहर पिता राम सुजान डोहर (20) निवासी ग्राम खम्हरिया थाना जैतवारा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से ब्लैक कलर की एचएफ डीलक्स बाइक भी जब्त की गई है।

इस मामले में आरोपी प्रकांत गुप्ता उर्फ नितिन गुप्ता उर्फ नवीन पिता दीप प्रसाद गुप्ता (25) निवासी ग्राम इटमा पोस्ट बिजपुरा थाना नागौद सतना को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उसके भी कब्जे से एक सीएनजी ऑटो रिक्शा तथा एक बाइक जब्त की गई है। आरोपी राजकिशोर के साथी की तलाश अभी जारी है।

डीएसपी ने बताया कि नाबालिग मुम्बई से अपनी बुआ के यहां से लौट कर सतना स्टेशन पर उतरी थी, उसे सीधी जाना था लेकिन उसके पास किराये के पैसे नहीं थे। वह स्टेशन के बाहर बैठी थी तभी एक ऑटो वाला यानी प्रकांत उर्फ नवीन उर्फ नितिन उसके संपर्क में आया और पैसों का बंदोबस्त करने का प्रलोभन देकर उसे अपने साथ घुमाने मैहर ले गया।

उसने रास्ते मे सोहावल के समीप पुल के पास नाबालिग के साथ रेप किया और वापस स्टेशन छोड़ दिया। बाद में राज किशोर भी बाइक से वहां आया और उसे बरगला कर अपने साथ ले गया। रास्ते मे राज किशोर ने एक दोस्त को भी ले लिया।

वे नाबालिग को दिन भर घुमाते रहे और फिर जैतवारा क्षेत्र के एक गांव में लेकर पहुंच गए। वहां खेत मे नाबालिग के साथ रेप कर उसे वहीं छोड़ कर भाग निकले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची जैतवारा पुलिस ने मामला दर्ज कर डायरी जीआरपी को भेजी।

कलेक्टर मैहर ने की जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने गुरुवार को नगर पालिका मैहर के सभागार में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों एवं कार्यो की समीक्षा की। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान राज्य शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जो 16 जून गंगा दशहरा तक संचालित किया जायेगा। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां जारी है। आगामी दिनों में आयोजित होने वाली गतिविधियों एवं 16 जून गंगा दशहरे के दिन

समापन कार्यक्रम पर अभियान को सफल बनाने कार्यक्रम रूपरेखा तय कर लें। कलेक्टर ने कहा कि पौधरोपण करने की जगह निर्धारण कर लें एवं अच्छी नस्ल के पौधे नीम, पीपल, बरगद, कदम, इमली जामुन जैसे पौधों का रोपण किया जाए। साथ ही इस बात का ध्यान रखे की पौधे कम से कम 3 से 4 फिट के होने चाहिए। इसके अलावा ग्राम पंचायत, शासकीय विद्यालय, गौशाला, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ केंद्र, एवं सभी शासकीय भवनों के आस पास पोधा रोपड़ किया जाना चाहिए। बैठक में विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, जनपद अध्यक्ष आकांक्षा लोधी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, सीएमओ मैहर लालजी ताम्रकार, सीएमओ रामनगर सुषमा मिश्रा, सीईओ मैहर प्रतिपाल बागरी उपस्थित रहे।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला उचेहरा में

सतना निप्र। शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना द्वारा सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद की भर्ती के लिये जिले की समस्त शासकीय आईटीआई संस्थाओं में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 10 जून से 20 जून तक जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में अलग-अलग तिथियों में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस में सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद के लिये योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 14 जून को शासकीय आईटीआई उचेहरा, 15 जून को शासकीय आईटीआई नागौद, 18 जून को शासकीय आईटीआई रामनगर, 19 जून को शासकीय आईटीआई बिरसिंहपुर तथा 20 जून को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्रात: 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

''पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा'' प्रदेश के विकास को नया आयाम देगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने भोपाल एयरपोर्ट से किया 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' संचालन का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री को समर्पित ''पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा'' से प्रदेश में पर्यटन के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को भी लाभ होगा। प्रदेश में बढ़ रही एयर कनेक्टिविटी की सौगात सभी सेक्टरों को मिलेगी और प्रदेश के विकास को नये आयाम मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ''पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा'' संचालन के शुभारंभ अवसर पर भोपाल एयरपोर्ट स्थित सेवा का टिकट बुकिंग काउंटर आरंभ किया तथा यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए।

प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आवागमन कम समय में सुगम होगा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र यूरोप के कई देशों से अधिक है, जनसंख्या की दृष्टि से भी हमारा प्रदेश कई देशों से बड़ा है। इस परिपेक्ष्य में प्रदेश में आरंभ हो रही विमान सेवा से परंपरागत रूप से यात्रा में सड़क और रेल मार्ग से लगने वाले समय में बहुत कमी आएगी। प्रदेश के सुदूरवर्ती रीवा-सिंगरौली क्षेत्र से आवागमन सुगम होगा साथ ही समय भी कम लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हवाई यातायात के अंतर्गत तीन प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में सभी प्रमुख स्थलों पर एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध है, आवश्यकता होने पर कलेक्टर से संपर्क कर एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। चुनाव अवधि में भी एयर एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दी हैं। पूरे देश में केवल मध्यप्रदेश ही है जहा इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। एयर एंबुलेंस सेवा समाज के लिए समर्पित है। राज्य सरकार को 6 माह पूर्ण हो रहे हैं। इस अवधि में विकास की दिशा में प्रदेश में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

देश का पहला हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग स्कूल खजुराहो में संचालित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के सहयोग से देश का पहला हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग स्कूल खजुराहो में आरंभ किया गया है। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि जहां-जहां हवाई पट्टियां हैं, वहां-वहां पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, निकटवर्ती विश्वविद्यालय के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा जारी करें। इस पहल से प्रदेश में रोजगार परक शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा और निवेश भी आकर्षित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रियों को प्रदान किए बोर्डिंग पास: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल से जबलपुर, रीवा, सिंगरौली के लिए प्रस्थान कर रहे विमान के यात्रियों सर्व धर्मेंद्र दुबे, दिव्यराज सिंह, कुलदीप, नदीम खान तथा मनोज श्रीवास्तव को बोर्डिंग पास प्रदान किया। उन्होंने विमान सेवा की यात्रा का लाभ लेने वाले इन प्रथम यात्रियों का पुष्पहारों से स्वागत किया तथा उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए।

स्थानीय लोगों को होगा फायदा, रोजगार के नये अवसर होंगे सर्जित: संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि ''पीएम पर्यटन वायु सेवा''से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्र पर्यटन के नक्शे में जुड़ जायेंगे। जिसका फायदा स्थानीय लोगों को होगा और रोजगार के नये अवसर सर्जित होगे। राज्य शासन पर्यटकों की सुविधाओं में विस्तार, पहुँच में सुगमता और सुरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है।

शादी रचाई और माल समेट कर रफूक्कर हो गई दुल्हन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मंडप सजा, मंत्रोच्चार के बीच शादी की रस्में पूरी हुई और फिर विदाई करा कर सुख मय दाम्पत्य जीवन के खूबाब आंखों में संजोए दूल्हा अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ अपने घर को रवाना भी हुआ। लेकिन कुछ दूर चलते ही सारे सपने चकनाचूर हो गए। दुल्हन बीच रास्ते से गायब हो गई। पुलिस वाले बन कर आए लोग दुल्हन को अपनी गाड़ी में बैठा कर रफूचक्कर हो गए। दूल्हा जब थाना पहुंचा तो उसे पता चला कि वह लुट चुका है, लुटेरी दुल्हन गिरोह का शिकार बन चुका है।

मामला मैहर के अमरपाटन थाना क्षेत्र का है। जहां नर्मदापुरम के ग्राम सेमरी निवासी रघुबीर पटेल पिता सुजान सिंह के न केवल अरमानों पर पानी फिर गया बल्कि उसे ढाई लाख रुपए की चपत भी लग गई।

10 जून को अमरपाटन के एक मंदिर में हुई थी शादी: दरअसल, नर्मदापुरम के सेमरी कला निवासी रघुबीर पटेल की शादी 10 जून को अमरपाटन के बड़ा तालाब के पास स्थित मंदिर में एक लड़की से हुई थी। लड़की का नाम अनीता पांडेय बताया गया और इसी नाम से उसका आधार कार्ड भी दिखाया गया। शादी की रस्में पूरी होने के बाद विदाई करा कर जब रघुबीर पटेल और उसका जीजा वापस अपने गांव जाने लगे तो नादन के पास रास्ते मे एक स्कार्पियों ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर रोका।

वाहन से उतरे दो लोगों ने खुद को पुलिस वाला बताते हुए रघुबीर पर दुल्हन के अपहरण का आरोप लगाया और भाई समेत दूल्हा-दुल्हन को अपने साथ बैठा कर चल पड़े।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।